मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 330
मंगलवार, 24 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

ईरान के समर्थन में खुलकर आया रूस, पुतिन बोले तेहरान को देंगे हरसंभव मदद

मॉस्को, 23 जून। इस्त्राइल और ईरान के बीच 10 दिनों से चल रहे संघर्ष के चलते आज दुनिया में तीसरे विश्व युद्ध का खतरा बढ़ गया है। वहीं ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद रूस ने सोमवार को ईरान को हरसंभव मदद देने का वादा किया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बढ़ते तनाव के बीच सोमवार रूस ने कहा है कि वह ईरान को हर तरह की मदद देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ईरान को किस तरह की मदद चाहिए, यह फैसला तेहरान को करना है। पेसकोव ने कहा कि हमने ईरान को मध्यस्थता की पेशकश की है। यह हमारी तरफ से एक ठोस मदद है। ईरान को जो भी जरूरत होगी, हम उसके अनुसार मदद करने को तैयार हैं। रूस ने ईरान और इस्त्राइल के बीच चल रहे तनाव को लेकर भी अपना पक्ष साफ किया है। पेसकोव ने कहा कि रूस का यह रुख भी ईरान के लिए समर्थन का एक अहम तरीका है। उन्होंने कहा कि हमने इस मुद्दे पर खुलकर अपना पक्ष दुनिया के सामने रखा है। यह भी ईरान के प्रति हमारे समर्थन का संकेत है। पेसकोव ने यह भी बताया कि हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बातचीत में ईरान का मुद्दा कई बार उठा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन और ट्रंप की हाल की बातचीत में ईरान का जिक्र कई बार हुआ है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हुए अमेरिकी हमलों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोमवार को मॉस्को में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात के दौरान इन हमलों को बेवजह बताया। पुतिन ने कहा कि आप ऐसे समय रूस आए हैं जब आपके देश और पूरे क्षेत्र में हालात काफी तनावपूर्ण हैं। उन्होंने अमेरिकी हमलों को गलत ठहराते हुए कहा कि रूस ईरानी जनता की हर संभवमदद करने की कोशिश कर रहा है। पुतिन ने आगे कहा कि हम ईरानी लोगों की मदद के लिए अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरानी विदेश मंत्री के साथ यह मुलाकात मौजूदा हालात पर गंभीर चर्चा का मौका देगी और दोनों देश मिलकर समाधान का रास्ता निकाल सकते हैं।

बता दें कि, पुतिन का यह बयान उस समय आया है जब इस्त्राइल और ईरान के बीच शुरू हुआ तनाव आज वैश्विक खतरा बनने के कगार पर है।

प्रधानमंत्री का बहुआयामी व्यक्तित्व, वैश्विक मंच पर भारत के लिए अहम पूंजी: शशि थरूर

नई दिल्ली, 23 जून। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऊर्जा, उनका बहुआयामी व्यक्तित्व और संवाद की तत्परता वैश्विक मंच पर भारत के लिए एक अहम पूंजी बनी हुई है, लेकिन इसे अधिक सहयोग एवं समर्थन की जरूरत है। उनकी यह टिप्पणी एक बार फिर कांग्रेस को असहज स्थिति में डाल सकती है तथा पार्टी नेतृत्व के साथ उनके संबंधों में दरार और गहरी हो सकती है। प्रधानमंत्री के लिए थरूर की प्रशंसा ऐसे समय आई है जब कांग्रेस विदेश नीति को लेकर मोदी सरकार पर निरंतर हमले कर रही है और आरोप लगा रही है कि भारतीय कूटनीति चरमरा गई है और देश विश्व स्तर पर अलग-थलग पड़ गया है।

थरूर ने अंग्रेजी दैनिक द हिंदू के लिए लिखे एक लेख में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद किया गया राजनयिक संपर्क राष्ट्रीय संकल्प और प्रभावी संवाद का क्षण था। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर थरूर के इस लेख को साझा किया और कहा, लोकसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. शशि थरूर लिखते हैं: ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित वैश्विक पहुंच से सबक।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने थरूर द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करने को लेकर कांग्रेस पर कटाक्ष किया और कहा कि तिरुवनंतपुरम से सांसद ने राहुल गांधी को बेनकाब कर दिया है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, शशि थरूर ने स्वीकार किया है कि प्रधानमंत्री मोदी का बहुआयामी व्यक्तित्व और वैश्विक पहुंच भारत के लिए रणनीतिक रूप से लाभकारी है। भंडारी ने कहा, शशि थरूर ने राहुल गांधी को बेनकाब कर दिया है। लेख में थरूर ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऊर्जा, उनका बहुआयामी व्यक्तित्व और संवाद की तत्परता वैश्विक मंच पर भारत के लिए एक अहम पूंजी बनी हुई है, लेकिन इसे अधिक समर्थन की आवश्यकता है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम में 97 राष्ट्र विरोधी गिरफ्तार: हिमंत विश्व शर्मा

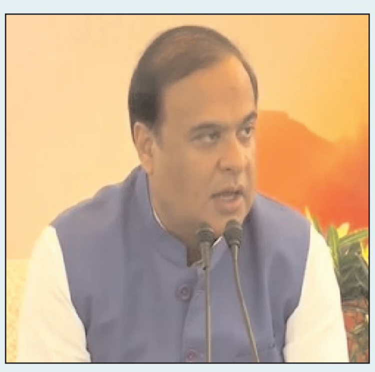

असम, 23 जून। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को यह जानकारी दी। शर्मा ने एक्स पर लिखा कि तिनसुकिया और नगांव जिलों से एक-एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, हिंदू विरोधी तत्वों पर कार्रवाई जारी... 97 राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी अपराधी अब सलाखों के पीछे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तिनसुकिया से गिरफ्तार व्यक्ति ने हिंदू धर्म पर आपत्तिजनक सामग्री सोशल मीडिया पर साझा की थी, जबकि नगांव के आरोपी ने भगवान राम पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इससे पहले, विपक्षी एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम को पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान और उसकी मिलीभगत का कथित तौर पर बचाव करने के लिए देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मामले में जमानत मिलने के बाद, इस्लाम को फिर से राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिया गया। शर्मा ने दो मई को जम्मू-कश्मीर आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने वालों की टांगें तोड़ने की धमकी दी थी।पंचायत चुनावों के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सेना को ताकत देने और प्रार्थना करने की अपील की थी, ताकि दुनिया में कहीं भी छिपे पाकिस्तानी आतंकवादियों को पकड़कर उनकी टांगें तोड़ दी जाएं। गत 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया, जिसमें 26 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। हमले में कई अन्य घायल हो गए थे।

समाजवादी पार्टी ने तीन विधायक को पार्टी से किया निष्कासित

लखनऊ, 23 जून। समाजवादी पार्टी ने सोमवार को अपने तीन विधायकों को निष्कासित कर दिया, जिन्होंने राज्यसभा चुनाव के दौरान भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में मतदान किया था। बागी विधायकों गोसाईंगंज से विधायक अभय सिंह, गौरीगंज से विधायक राकेश प्रताप सिंह और ऊंचाहार से विधायक मनोज पांडेय को उनकी सांप्रदायिक विभाजनकारी नकारात्मकता और किसान, महिला, युवा, व्यापार, कामकाजी पेशेवरों और पीडीए विरोधी विचारधारा का समर्थन करने के कारण पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।समाजवादी पार्टी (सपा) के तीन बागी विधायकों अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह और मनोज कुमार पांडेय को सोमवार को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। गोसाईंगंज से सपा विधायक अभय सिंह, गौरीगंज से पार्टी विधायक राकेश प्रताप सिंह और ऊंचाहार से विधायक मनोज कुमार पांडेय खुले तौर पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन में आने का आरोप है। सपा ने इन तीनों विधायकों के निष्कासन का एलान करते हुए एक्स पर कहा, समाजवादी सौहार्दपूर्ण सकारात्मक विचारधारा की राजनीति के विपरीत साम्प्रदायिक विभाजनकारी नकारात्मकता वकिसान, महिला, युवा, कारोबारी, नौकरीपेशा और पीडीए विरोधी विचारधारा का साथ देने के कारण तीनों विधायकों को पार्टी से निष्कासित किया गया है। पार्टी ने कहा, इन लोगों को हृदय परिवर्तन के लिए दी गयी अनुग्रह-अवधि की समय-सीमा अब पूर्ण हुई। शेष लोगों की समय-सीमा अच्छे व्यवहार के कारण शेष है। भविष्य में भी जन-विरोधी लोगों के लिए पार्टी में कोई स्थान नहीं होगा और पार्टी के मूल विचार की विरोधी गतिविधियां सदैव अक्षम्य मानी जाएंगी। सपा ने आगे कहा, जहां रहें, विश्वसनीय रहें! सहृदयपूर्ण शुभकामनाएं!!! सपा का आरोप है कि उसके विधायकों अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह और मनोज कुमार पांडेय ने पिछले साल हुए राज्यसभा चुनाव में अपनी पार्टी से बगावत करते हुए भाजपा प्रत्याशियों को वोट दिया था। पार्टी ने उनके खिलाफ तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की थी। समाजवादी पार्टी के सूत्रों के अनुसार, मुख्य सचेतक मनोज पांडेय समेत सात विधायकों ने राज्यसभा चुनाव के दौरान भाजपा के उम्मीदवार का समर्थन कर पार्टी को झटका दिया है। इस कदम से पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव काफी नाराज हैं। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के बाद यादव ने इन सात विधायकों की सदस्यता रद्द करने की दिशा में कदम उठाए हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के 37 सीटों पर विजयी होने के बाद सात विधायकों के एक समूह ने पार्टी में फिर से शामिल होने पर चर्चा करने के लिए सपा नेता अखिलेश यादव से मुलाकात करने का प्रयास किया था।

हालांकि, अखिलेश यादव ने इन विधायकों से मिलने और उन्हें पार्टी में वापस शामिल करने से इनकार कर दिया।

प्रो. दयानंद तिवारी भोपाल में सारस्वत सम्मान से हुए सम्मानित

भोपाल (उत्तरशक्ति)। भारत की प्रतिष्ठित राष्ट्रीय हिंदी साहित्यिक मासिक पत्रिक ब्रह्म सत्य के 30 वें वर्ष में प्रवेश के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सामाजिक विमर्श कार्यक्रम में प्रख्यात साहित्यकार, समीक्षक, शिक्षाविद एवं भारतीय जनता पार्टी, मुंबई (महाराष्ट्र) प्रदेश के प्रवक्ता प्रो. दयानंद तिवारी को ह्लसारस्वत सम्मानह्न से अलंकृत किया गया। यह सम्मान उन्हें हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रचार-प्रसार, सामाजिक चेतना के जागरण तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान हेतु प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में देशभर से साहित्य, समाज और प्रशासन के विविध क्षेत्रों के विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इनमें उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति उमेशचंद्र शर्मा, जीएसटी कमिश्नर राजकुमार त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार तपन भारती, प्रतिष्ठित साहित्यकार लक्ष्मीकांत शर्मा, मध्यप्रदेश रेरा के अध्यक्ष अरुण कुमार भट्ट सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल थे। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्रीमती प्रियंका मिश्र ने प्रो. तिवारी की प्रशंसा करते हुए कहा की श्प्रो. दयानंद तिवारी केवल विचारक नहीं, बल्कि विचारों को कर्म में ढालने वाले व्यक्तित्व हैं। वे अपनी लेखनी, वक्तृत्व और संगठनात्मक दृष्टि से युवा पीढ़ी को दिशा देते हैं। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की नीतियों के प्रखर समर्थक हैं और भारत के विकास मॉडल के सशक्त प्रवक्ता भी। सम्मान प्रदान करते समय वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और मंचासीन विशिष्टजनों ने प्रो. डॉ दयानंद तिवारी की रचनात्मकता, सामाजिक प्रतिबद्धता और विश्लेषणात्मक क्षमता की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्हें समकालीन हिंदी जगत के उन विरले साहित्यकारों में गिना गया, जो विचार, व्यवहार और विश्लेषण – तीनों स्तरों पर समान रूप से सशक्त हैं। इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्म सत्य पत्रिका के संपादक अक्षयकुमार राय द्वारा किया गया।

वहनीयता अब एक नारा नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है: राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 23 जून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि वहनीयता अब एक नारा नहीं बल्कि एक आवश्यकता है। राष्ट्रीय राजधानी में इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के 12वें राष्ट्रीय छात्र दीक्षांत समारोह 2025 में राष्ट्रपति ने यह बात कही। जलवायु परिवर्तन के संकट का उल्लेख करते हुए मुर्मू ने कहा, वहनीयता अब एक नारा नहीं रह गया है, बल्कि यह एक आवश्यकता बन गई है। उन्होंने यह भी कहा कि अब समय वह नहीं है कि कॉरपोरेट संगठन केवल लाभ कमाने के उद्देश्य से काम करें बल्कि अब उन्हें पर्यावरणीय लागतों को ध्यान में रखना होगा। मुर्मू ने कहा, इसमें आप (लागत लेखाकार) अपने कौशल से ग्रह के भविष्य में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि लेखांकन और जवाबदेही का संबंध गहरा है। कार्यक्रम में कॉर्पोरेट मामलों की सचिव दीप्ति गौड़ मुखर्जी ने लागत एवं प्रबंधन लेखाकारों से प्रौद्योगिकी, नवाचार और तत्परता अपनाने का आग्रह किया।

जम्मू जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट में खराबी, वापस दिल्ली लौटी

नई दिल्ली। दिल्ली से जम्मू के लिए उड़ान भरने वाले एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान को तकनीकी खराबी के कारण उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद वापस लौटना पड़ा। विमान संख्या IX2564 को राष्ट्रीय राजधानी से जम्मू जाना था, लेकिन तकनीकी खराबी का पता चलने के बाद एहतियात के तौर पर इसे वापस दिल्ली की ओर मोड़ दिया गया। एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि तकनीकी समस्या के कारण मूल विमान के दिल्ली लौट जाने के बाद हमारी दिल्ली-जम्मू उड़ान के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

क्रॉस वोटिंग: सपा में पीडीए की रक्षा या अनुशासन का दिखावा?

-अजय कुमार

समाजवादी पार्टी ने जिस अंदाज में अपने तीन बागी विधायकों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया है, उसने एक साथ कई सवाल खड़े कर दिए हैं। एक तरफ यह अनुशासन का संदेश है, तो दूसरी ओर जातीय समीकरणों का राजनीतिक संतुलन भी। लेकिन बात सिर्फ निष्कासन की नहीं है, असली सवाल यह है कि सात में से केवल तीन पर ही कार्रवाई क्यों हुई? यह निर्णय सिर्फ पार्टी विरोधी गतिविधियों के आधार पर नहीं, बल्कि रणनीतिक और सामाजिक गणनाओं को ध्यान में रखकर लिया गया है। अखिलेश यादव का इस हृआंशिक कार्रवाई के केंद्र में एक नई समाजवादी राजनीति आकार ले रही है, जो पुराने मुलायम युग से अलग दिखती है, लेकिन उतनी ही संवेदनशील भी है।

अखिलेश यादव ने अयोध्या की गोसाईंगंज सीट से विधायक अभय सिंह, अमेठी की गौरीगंज सीट से विधायक राकेश प्रताप सिंह और रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक डॉ. मनोज पांडे को निष्कासित कर पार्टी का संदेश स्पष्ट कर दिया कि भीतरघात अब बर्दाश्त नहीं होगा। लेकिन इससे भी बड़ा संदेश यह गया कि जिन लोगों ने न केवल भाजपा के पक्ष में वोट डाला, बल्कि पार्टी के खिलाफ लगातार बोलते रहे, उनके लिए सपा में अब कोई जगह नहीं है। ये तीनों विधायक कई लंबे समय से सार्वजनिक मंचों पर अखिलेश यादव के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे। मनोज पांडे ने तो यहां तक कह दिया कि उन्होंने एक साल पहले ही भाजपा ज्वाइन कर ली थी और अब सपा की कार्रवाई से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं अभय सिंह और राकेश प्रताप सिंह लगातार सपा को हिंदू विरोधी और रामविरोधी पार्टी करार देते रहे हैं। ऐसे में इन पर कार्रवाई न करना अखिलेश के लिए अपनी साख और नेतृत्व दोनों पर सवालिया निशान बन सकता था।

लेकिन जिस तरीके से बाकी चार विधायकों को पार्टी में बरकरार रखा गया है, उसने राजनीतिक विश्लेषकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या सपा की कार्रवाई भी अब जाति देखकर तय होती है? दरअसल, जिन तीनों को निकाला गया, वे सभी सवर्ण हैं मनोज पांडे ब्राह्मण और बाकी दो ठाकुर। वहीं पूजा पाल, आशुतोष मौर्य, विनोद चतुर्वेदी और राकेश पांडे में से दो पिछड़ी जातियों से हैं और दो ब्राह्मण हैं, जिनका पार्टी विरोधी बयान सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया। यही वह अंतर है जो अखिलेश यादव की रणनीति को जातीय गणित से जोड़ता है। सपा इन दिनों 'पीडीए' यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक समीकरण को केंद्र में रखकर आगे बढ़ रही है। ऐसे में उन विधायकों को तुरंत बाहर करना जिन्हें पार्टी अभी जनाधार से जोड़कर देख रही है, सियासी आत्मघात हो सकता था। पूजा पाल और आशुतोष मौर्य जैसे नेता न सिर्फ ओबीसी वोट बैंक में सपा के लिए सहायक हो सकते हैं, बल्कि इनका निष्कासन समाजवादी पार्टी को उस वर्ग से और दूर कर सकता था, जिसे जोड़ने के लिए पार्टी लगातार मेहनत कर रही है। वहीं ब्राह्मणों को लेकर अखिलेश का रुख अभी भी संतुलित है। 2022 के चुनावों में ब्राह्मणों को जोड़ने की नाकाम कोशिशों के बाद भी पार्टी उन्हें पूरी तरह छोड़ना नहीं चाहती। यही वजह है कि विनोद चतुर्वेदी और राकेश पांडे जैसे ब्राह्मण विधायकों पर फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं हुई है। यह रणनीति सधी हुई है कि ना सवर्णों को पूरी तरह नाराज करना है, ना ही कोर वोट बैंक को जोखिम में डालना है।

लेकिन सवाल सिर्फ जाति का नहीं है। व्यवहार और भाषा भी उतनी ही अहम भूमिका निभाते हैं। जिन तीन विधायकों को निकाला गया, उन्होंने सिर्फ पार्टी लाइन से हटकर वोटिंग नहीं की, बल्कि सोशल मीडिया से लेकर टीवी इंटरव्यू तक में अखिलेश यादव को कमजोर, अहंकारी और जातिवादी नेता बताया। ये वही विधायक थे जो बड़े नेताओं के साथ मंच साझा करते रहे और अपने क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं की तरह सक्रिय रहे। वहीं बाकी चार ने भले ही वोट भाजपा को दिया हो, लेकिन सार्वजनिक मंचों पर चुप्पी साधे रखी। राजनीति में चुप्पी अक्सर सजा से बचा लेती है, और यही इन विधायकों के साथ हुआ। सपा की यह आंशिक कार्रवाई पार्टी अनुशासन की मजबूती भी दर्शाती है और आने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति को भी। अखिलेश यादव यह अच्छी तरह जानते हैं कि 2027 का चुनाव उनके राजनीतिक जीवन का टर्निंग प्वाइंट हो सकता है।

ऐसे में उन्हें पार्टी के भीतर विश्वासघात से ज्यादा अपने जनाधार की एकता चाहिए। यही वजह है कि उन्होंने ऐसे लोगों को पहले निशाने पर लिया, जिनके जाने से पार्टी को वोटों का नुकसान नहीं होगा। ठाकुर और ब्राह्मण विधायक जो अब भाजपा की ओर झुक चुके हैं, उन्हें बाहर निकालकर अखिलेश ने सपा के अंदर एक स्पष्ट संदेश दे दिया कि अब पार्टी में अनुशासन सर्वोपरि होगा। भाजपा ने इस मुद्दे को लपकने में देर नहीं लगाई। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सपा अब अपने ही कार्यकर्ताओं पर अत्याचार कर रही है और पार्टी पूरी तरह बिखर चुकी है। लेकिन भाजपा को भी यह मालूम है कि सपा की यह कार्रवाई केवल अनुशासन नहीं बल्कि रणनीतिक शुद्धिकरण है। सपा अब पुराने ढांचे को तोड़कर नई सामाजिक गठजोड़ तैयार कर रही है, जिसमें जाति, विचारधारा और निष्ठा का संतुलन अहम है। कुल मिलाकर, समाजवादी पार्टी ने तीन विधायकों को निष्कासित कर यह स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी में अब केवल संख्या नहीं, विचारधारा और व्यवहार भी अहम होगा। लेकिन जो चार विधायक फिलहाल बचे हुए हैं, उन पर नजरें टिकी रहेंगी। अगर ये लोग भी भविष्य में पार्टी लाइन से हटते हैं या भाजपा से नजदीकी बढ़ाते हैं, तो यह तय माना जा रहा है कि अगली सूची में उनके नाम भी होंगे। फिलहाल अखिलेश यादव ने एक सधी हुई सियासी चाल चली है, जिससे पार्टी के भीतर अनुशासन भी कायम हो और जातीय संतुलन भी न बिगड़े। यह चाल चुनावी शतरंज की तैयारी है, जहां हर मोहरा अब पार्टी लाइन से ही चलेगा।

नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने किया एजुकेटर्स मीट एवं सम्मान समारोह का आयोजन

रांची : नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने रांची स्थित ले लैक सरोवर पोर्टिको में एक प्रभावशाली एजुकेटर्स मीट एवं सम्मान समारोह का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक शिक्षकों, शैक्षणिक नेताओं एवं छात्रों ने भाग लिया। यह आयोजन शिक्षा और छात्र विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को पहचानने और सम्मानित करने के लिए किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आकाश शर्मा, निदेशक (प्रवेश एवं आउटरिच), नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी रहे। अपने भाषण में उन्होंने देश के भविष्य को आकार देने में शिक्षकों की अहम भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षा वह सबसे शक्तिशाली साधन है जिससे हम एक बेहतर कल बना सकते हैं। नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी युवाओं को ज्ञान, कौशल और वैश्विक दृष्टिकोण से सशक्त बनाती है ताकि वे अपने करियर में ऊँचाइयों तक पहुँच सकें और एक बदलती दुनिया में परिवर्तन के नेता बन सकें।

विशिष्ट अतिथियों में डॉ. एस. एस. सिंह (संपादक, हिंदुस्तान टाइम्स) एवं डॉ. आरिफ नासिर बद्र (अध्यक्ष, ह्यूमन राइट डिफेंडर, झारखंड) ने शैक्षणिक संस्थानों की बदलती भूमिका और राष्ट्र निर्माण में उनकी बढ़ती जिम्मेदारियों पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर कई सम्मानित शिक्षकों और मार्गदर्शकों को उनके शैक्षणिक उत्कृष्टता और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। फैज अहमद और अभिरंजन कुमार की गरिमामयी उपस्थिति ने भी अकादमिक संवाद और सहयोग के माध्यम से कार्यक्रम को और अधिक समृद्ध किया। नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय की उन पहलों को प्रस्तुत किया जो क्षेत्रीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रही हैं। यह आयोजन रांची और आसपास के क्षेत्रों में स्कूलों और शैक्षणिक हितधारकों के साथ नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास रहा।

क्या इजरायल-ईरान युद्ध में अन्य देशों का कूदना क्या विश्व युद्ध की सुगबुगाहट है?

अशोक भाटिया

इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध में अब अमेरिका भी खुलकर शामिल हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान की तीन बड़ी परमाणु साइट्स फोर्डो, नतांज और इस्फहान हमला किया है, जो पूरी तरह सफल रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि लड़ाकू विमानों ने फोर्डो को मुख्य रूप से निशाना बनाकर बमबारी की और अब सभी विमान सुरक्षित लौट चुके हैं। उन्होंने इस हमले को अमेरिका की सैन्य ताकत की मिसाल बताया और कहा कि अब शांति का समय है। अमेरिका के हमल से ईरान आगबबूला हो गया है। मिडिल ईस्ट में युद्ध के भयानक रूप लेने का खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी हमले के बाद कई देश भड़क गए हैं। इन देशों में रूस, चीन, उत्तर कोरिया जैसे देश शामिल हैं। इन देशों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि इस्राइल-ईरान के युद्ध में अमेरिका के शामिल होने पर हालत और बिगड़ेंगे। ईरान पर अमेरिका की हमले के बाद तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका बढ़ गई है। इन सबके बीच बुल्गारिया की भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की भविष्यवाणी वायरल हो गई है, जिसमें उन्होंने साल 2025 में तीसरा विश्वयुद्ध होने की बात कही है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी के प्रमुख तुलसी गबार्ड ने हाल ही में बताया कि यह ईरान के लिए कितना कमजोर है, जो परमाणु बम बनाने के लिए इतनी दूर चला गया है और उसे अपने परमाणु बम को रोकने की जरूरत है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी के प्रमुख तुलसी गबार्ड ने हाल ही में बताया कि यह कितना कमजोर है। लेकिन ट्रम्प ने कहा, ₹यह गबार्ड कौन है?₹ यह कहकर उसने सार्वजनिक रूप से अपने ही सहयोगी का मजाक उड़ाया और ईरान पर अपने हमले की दिशा बताई। उसी दिशा में जाते हुए, उसने ईरान में तीन परमाणु ऊर्जा स्टेशनों पर बमबारी की। यह वीरतापूर्ण कार्य (?) अपनी खुद की घोषणा करते हुए, राष्ट्रपति ने खुद को पीठ पर थपथपाया और उम्मीद जताई कि ₹मध्य पूर्व में शांति अब प्रबल होगी₹ जो बेशर्मी की ऊंचाई है।

इसने न केवल यह दिखाया कि एकमात्र वैश्विक महाशक्ति का यह प्रमुख किस स्तर तक जा सकता है, बल्कि इसने यह भी दिखाया कि ऐसे अविश्वसनीय लोग किस हद तक हैं। वास्तव में, ईरान ने इजरायल-ईरान युद्ध में अमेरिकी हितों के लिए कोई खतरा पैदा नहीं किया था। उसी दिन जब संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता का अगला दौर स्थगित कर दिया गया था, नियोजित वार्ता से कुछ घंटे पहले, इजरायल के दूरदर्शी युद्ध स्वामी बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर हमला किया। इसका इरादा ईरान को जवाबी कार्रवाई करने और अमेरिका-ईरान वार्ता को उकसाने के लिए उकसाना था। ईरान अपने हाथों पर हाथ रखकर तब भी नहीं बैठ सकता था जब इजरायल अकारण हमले कर रहा था। ईरान ने इजरायल पर अपेक्षा से अधिक तीव्र पलटवार किया। यह तीव्रता वह नहीं थी जिसकी नेतन्याहू को उम्मीद थी। हिज्बुल्लाह, हूती विद्रोहियों आदि के लिए ईरान और लेबनान के मौन समर्थन के बावजूद, दोनों देश आधिकारिक तौर पर इजरायल के सामने खड़े नहीं हुए, लेकिन ईरान पर इजरायल के हमले ने ईरान को सीधे मैदान में जाने के लिए मजबूर कर दिया, और जब यह पूरी ताकत से आया, तो नेतन्याहू विफल रहे। हमास, हिजबुल्लाह और दूसरे को ईरान जैसे मजबूत देश को गले लगाने के लिए जवाब देना अलग था। ट्रम्प के लिए इजरायल की सहायता के लिए नहीं जाना असंभव था। संयुक्त राज्य अमेरिका में यहूदी और उनके दबाव समूह एकमात्र कारण नहीं हैं।

इसका असली कारण क्षेत्र में ट्रम्प और उनके परिवार के बीच आर्थिक संबंध हैं, जो जल्द ही सामने आएंगे, लेकिन ट्रम्प के राजनयिक व्यवसाय में पाकिस्तानी सरकार का अरबों का निवेश, ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर इजरायल और सऊदी अरब देशों द्वारा कई अनुबंधों में शामिल हैं, और ट्रम्प का बिना किसी कारण के इजरायल की ओर से ईरान को निशाना बनाना। संयुक्त राज्य अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं ने मध्य पूर्व में धर्म का हवाला दिया। अपने स्वयं के आर्थिक स्वार्थ के घोड़े हमेशा लाइन पर थे। बुश पिता-पुत्र सीधे तेल कंपनियों के मालिक थे और ट्रम्प भवन, कूटनीति आदि के माध्यम से अपने हितों को आगे बढ़ाने के पीछे हैं। बुश के बेटों के लापरवाह युद्धों में लाखों लोगों की जान चली गई है और ट्रम्प को मानव जीवन की परवाह नहीं है। ईरान पर हमले का बचाव करते हुए ट्रंप ने कहा कि देश आतंकवादी गतिविधियों में शामिल है। अपराधियों के रूप में आतंकवादी दो प्रकार के होते हैं - निर्वस्त्र और वदीर्धारी। यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि यह किस समूह में आता है। अमेरिका ने अब तक कई लोगों पर इस आधार पर हमला किया है कि उसने उन देशों में आतंकवाद को बढ़ावा दिया है जिनका कोई हित नहीं है, कोई व्यवसाय नहीं है। ईरान पर ताजा हमला इन देशों में शामिल किया जाएगा। यह इतिहास और वर्तमान की वास्तविकता है। हालांकि, इस अवसर पर सवाल यह होगा कि आगे क्या है?

ईरान ने हमले पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह अच्छा है कि अमेरिकी नेतृत्व ईरान से कुछ उत्तेजक बयानों की उम्मीद करेगा। ऐसा किए बिना, ईरान ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह अपने परमाणु ऊर्जा विकास कार्यक्रम को जारी रखेगा और फिर इजरायल पर मिसाइलें दागीं। यह उस देश की बुद्धिमत्ता को दर्शाती है। यह वांछनीय है कि इस पर टिप्पणी न करें जब तक कि यह स्पष्ट न हो जाए कि यह एक संयोग है या नहीं। ईरान इस तरह से इजरायल को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है। वह देश और जुझारू प्रधानमंत्री नेतन्याहू इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। साथ ही यूरोप के कई देश अब अमरिका के विरोध में खड़े होने पर मजबूर होंगे। इंग्लैंड, जर्मनी और फ्रांस जैसे प्रमुख देशों के प्रमुखों ने इजरायल का विरोध करने की हिम्मत की है। ऐसा नहीं है कि रूस और चीन को इन देशों में शामिल नहीं किया जाएगा। यदि हां, तो संयुक्त राज्य अमेरिका को ट्रम्प के कृत्य के लिए कम से कम कुछ कीमत चुकानी होगी। इस संबंध में हमारी चुप्पी के बारे में बात न करना बेहतर है। भारत इतना फेसलेस कभी नहीं रहा। साथ ही, ट्रम्प के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका में जनता की राय होना अधिक निर्णायक होगा, एक संभावना जिसे खारिज नहीं किया जा सकता है, खासकर जब से कई रिपब्लिकन ने खुद ट्रम्प के फैसले पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है, और कुछ ट्रम्प के खिलाफ एक स्टैंड लेने के लिए तैयार हैं। यदि ऐसा होता है और इनमें से शेष रिपब्लिकन को डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन मिलता है, तो ट्रम्प का निर्णय महंगा हो सकता है। अमेरिकी जनमत ईरान पर हमले के पक्ष में नहीं है। यह संभव होगा। नहीं तो विश्व शांति, अर्थव्यवस्था आदि के मुद्दों को हवा में छोड़ देना ही बेहतर है। जो बुद्धिमानों ने समय रहते मूर्खों के पागलपन का विरोध नहीं किया, उनकी अंगुलियों की कीमत भी अनगिनत अशुभ का जीवन है। यह इतिहास अब भी दोहराया जाता है।

बढ़ते सैन्य तनाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ प्रो. मिलिंद कुमार शर्मा (एमबीएम विश्वविद्यालय, जोधपुर) का कहना है कि फिलहाल इसे तीसरे विश्व युद्ध की आहट कहना जल्दबाजी होगी। उनका मानना है कि वैश्विक शक्तियां भलीभांति जानती हैं कि युद्ध से किसी को लाभ नहीं होता, केवल विनाश होता है। रूस-यूक्रेन और इजरायल-गाजा संघर्ष इसके हालिया उदाहरण हैं, जहां वर्षों से अस्थिरता बनी हुई है।प्रो. शर्मा के अनुसार, ईरान भले ही प्रतिक्रिया में इजरायल या अमेरिकी सैन्य अड्डों को निशाना बना सकता है, लेकिन इससे युद्ध का विस्तार होने का खतरा बढ़ जाएगा। हालांकि, भारत के लिए यह स्थिति आर्थिक और रणनीतिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण हो सकती है। खासकर तेल की कीमतों में वृद्धि, महंगाई और चाबहार पोर्ट जैसे निवेशों पर असर पड़ सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत को अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच संतुलन साधते हुए अपनी कूटनीति का प्रयोग करना होगा। ऐसे हालात में भारत की ऊर्जा सुरक्षा और विदेश नीति की समझदारी ही उसे संभावित नुकसान से बचा सकती है।ईरान प्रतिक्रिया में इजरायल के अलावा आसपास बहरीन व अन्य देशों में स्थित अमेरिकी अड्डों को निशाना बना सकता है, तेल परिवहन मार्ग हॉर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान डाल सकता है। लेकिन ईरान सोच-समझकर ही ऐसा करेगा क्योंकि इससे युद्ध का विस्तार होने का खतरा है। यह संघर्ष लंबा नहीं चलेगा। विश्व युद्ध की सुगबुगाहट पर उन्होंने कहा कि ह्यह कहना कठिन है लेकिन चीन और रूस के सीधे ईरान को सैन्य समर्थन की संभावना कम है, कूटनीतिक समर्थन दे सकते हैं। यही हाल पाकिस्तान सहित मुस्लिम देशों का रह सकता है।ह्वतेल की कीमतों में वृद्धि देश में ऊर्जा सुरक्षा की चुनौती व महंगाई बढ़ा सकती है। भारत के लिए अपने नागरिकों की सुरक्षा और चाबहार पोर्ट जैसे रणनीतिक निवेश फिलहाल जोखिम में पड़ सकते हैं। भारत को कूटनीतिक दृष्टिकोण से अमेरिका-इजरायल व ईरान के साथ सूझबूझ से संतुलित संबंध रखने होंगे। नीदरलैंड के हेग में 24 से 26 जून तक होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन पर भी युद्ध की छाया नजर आएगी। अब तक साइबर सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता के अलावा रूस के साथ युद्ध में फंसे यूक्रेन को समर्थन जैसे विषयों पर सम्मेलन केंद्रित था। लेकिन अब ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमरीकी हमले और इसके बाद पश्चिम एशियाई देशों की संभावित प्रतिक्रिया से निपटने जैसी रणनीति शिखर सम्मेलन का हिस्सा हो सकती है।

क्या विश्व युद्ध के कगार पर है मानवता?

-सुरेश गांधी

ट्रम्प का अमेरिका फर्स्ट एजेंडा जितना उनके देश के लिए बना था, उतना ही बाकी देशों के लिए परेशानी का कारण बन गया। नाटो देशों को चेतावनी दी कि खर्च बढ़ाओ वरना अमेरिका सुरक्षा नहीं देगा। जलवायु समझौतों और अंतरराष्ट्रीय संधियों से खुद को अलग कर लिया। ईरान परमाणु समझौते से हटना, मध्य-पूर्व में अस्थिरता की बड़ी वजह बना। चीन पहले ही ताइवान को लेकर आक्रामक है। ट्रम्प के दौर में चीन से रिश्ते सबसे निचले स्तर पर पहुंचे। उनके आने से आशंका है कि ताइवान मुद्दा अमेरिका-चीन के बीच सीधे टकराव का रूप ले सकता है। ट्रम्प की मध्य-पूर्व नीति ने फिलिस्तीनियों को नाराज किया और इस्राइल को खुला समर्थन दिया। फिलिस्तीन में विरोध भड़का और ईरान-इस्राइल के रिश्ते और तल्ख हुए। अब ट्रम्प की वापसी वहां नई लड़ाई की आशंका को बल दे रही है। आज जब दुनिया यूक्रेन युद्ध, ताइवान तनाव और पश्चिम एशिया के संघर्ष से जूझ रही है, ऐसे में ट्रम्प जैसे नेता की दादागिरी इसे और विस्फोटक बना सकती है।

इजराइल-ईरान युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका पर अब सवाल उठ रहे हैं. उन पर इजराइल को धोखा देने का आरोप लग रहा है। ट्रंप ने कहा है, ह्मैं अगले दो हफ्तों के भीतर जाने या न जाने का फैसला करूंगा।ह्व इस बीच, इजराइल बिना अमेरिकी मदद के भी ईरान के खिलाफ कार्रवाई जारी रखे हुए है, जबकि ईरान भी झुकने को तैयार नहीं है। युद्ध में अमेरिका के शामिल होने को लेकर एक बड़ा बयान सामने आया है. इस बयान में कहा गया है कि जंग में शामिल होने का अंतिम फैसला ट्रंप को लेना है. वहीं, इजराइल ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका इस युद्ध में शामिल हो या न हो, वह अपनी बेहतरी के लिए लगातार काम करता रहेगा. ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है क्या डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सामने इजरायल को अकेला छोड़ा? बता दें, इजरायल और ईरान के बीच 10 दिनों से जारी संघर्ष ने दुनियाभर के देशों की चिंता बढ़ा दी है. इजरायल के हवाई हमलों और ईरान के मिसाइल हमलों के बीच विश्व समुदाय युद्ध के विस्तार को लेकर सतर्क है.

फिलहाल अमेरिकी सरकार अभी सीधे युद्ध में शामिल नहीं हुई है, इसके पीछे भारी आर्थिक खर्च और कूटनीतिक पहल बताया जा रहा है. तर्क है अगर आप युद्ध में उतरते हैं तो हर दिन अरबों रुपये खर्च होंगे. इजरायल, पिछले दो सालों से फिलिस्तीनी आतंकी संगठन हमास से लड़ रहा था और अब वो पिछले 10 दिनों से ईरान से जंग लड़ रहा है. अभी की जो स्थिति है उसमें इजरायल, ईरान के साथ युद्ध में बहुत दिनों तक टिक नहीं पाएगा, क्योंकि ..इजरायल पहले से ही फिलिस्तीन के साथ चल रहे युद्ध में काफी खर्चा कर चुका है. ईरान के साथ युद्ध में इजरायल हर दिन करीब 6 हजार 300 करोड़ रुपये खर्च कर चुका है. फिलिस्तीन युद्ध की वजह से इजरायल पर पहले से ही आर्थिक बोझ था, जो ईरान युद्ध की वजह से और बढ़ गया है. इजरायल के वित्त मंत्रालय का कहना है कि साल 2025 में देश की आर्थिक विकास दर का अनुमान पहले 4.6 प्रतिशत लगाया था. लेकिन अब उसे घटाकर 3.6 प्रतिशत कर दिया गया है. युद्ध की वजह से फैक्ट्रियों में प्रोडक्क्शन और लोगों की प्रोडक्टिविटी में कमी आई है, जिससे आर्थिक विकास रुक गया है. इजरायल की जीडीपी का 7 प्रतिशत हिस्सा रक्षा खर्च में जा रहा है जो यूक्रेनके बाद दूसरे नंबर पर है. रक्षा खर्च बढ़ने से बजट पर असर हो रहा है.

अगर इजरायल-ईरान में युद्ध परमाणु त्रासदी तक पहुंचा तो, इस मौके का कई देश फायदा उठाना चाहेंगे. सबसे पहले ईरान के साथ खड़े चीन और रशिया, अमेरिका से भिड़ जाएंगे. अमेरिका और यूरोपीय देश मिलकर ईरान, चीन और रशिया पर मिसाइल अटैक कर सककर सकते हैं, और इसके जवाब में चीन और रशिया भी मिसाइल हमले करेंगे. ईरान भी इजरायल पर बड़े हमले शुरू कर देगा और इस बार उसके साथ इजरायल के पुराने दुश्मन भी होंगे. इजरायल को हराने के लिए ईरान, लेबनान, सीरिया और मिस्त्र एक साथ हमला कर सकते हैं. जिसमें मिस्त्र और लेबनान की थल सेना, इजरायल के न्यूक्लियर फेसिलिटेजी पर कब्जा करेंगी. उधर, ईरान और लेबनान मिलकर तेल अवीव पर मिसाइल हमले करते रहेंगे. अमेरिका अपनी लड़ाई में व्यस्त होगा, इसीलिए वो अपना ही राग अलापता नजर आयेगा। सवाल अब ये नहीं है कि ट्रंप क्या करेंगे, सवाल ये है कि क्या दुनिया ट्रंप जैसे नेता को युद्ध और शांति के बीच संतुलन का सूत्रधार मान सकती है? देखा जाएं तो डोनाल्ड ट्रंप एक ऐसा नाम है जो कभी अब्राहमिक समझौतों के लिए नोबेल पुरस्कार की चर्चा में था, तो कभी मध्य-पूर्व की राजनीति में एक तानाशाही दखल के लिए बदनाम। लेकिन आज, जब इजराइल और ईरान युद्ध के सबसे भयावह मोड़ पर हैं, तब सवाल उठ रहा है क्या ट्रंप वास्तव में शांति दूत हैं या यह जंग उनके लिए वैश्विक मंच पर पुरस्कार पाने का मौका बन चुके है? जबकि हालात बता रहे है यह सिर्फ एक पारंपरिक युद्ध नहीं, बल्कि तीसरे विश्व युद्ध की संभावित प्रस्तावना है।

जब मास्को सीधा कह रहा है कि खामेनेई को कुछ हुआ तो अमेरिका भुगतेगाह्व, और चीन भी चुपचाप युद्ध-स्थितियों पर नजर गड़ाए बैठा है तो ट्रंप की चुप्पी क्या विश्व को युद्ध की आग में झोंकने की तैयारी नहीं तो और क्या है? अगर युद्ध लंबा खिंचा, तो इजराइल के पास हथियार खत्म होने की कगार पर होंगे, और ईरान के शीर्ष सैन्य नेतृत्व का संकट और गहराएगा। चीन, रूस, तुर्किये जैसे देश एक तरफ, अमेरिका-इजराइल दूसरी तरफ दुनिया फिर से कोल्ड वॉर 2.0 की ओर बढ़ सकती है। भारत सहित एशिया के कई देश संकट में घिर सकते हैं, खासकर तेल कीमतों और सुरक्षा चिंताओं को लेकर। मतलब साफ है दुनिया एक बार फिर युद्ध की दहलीज पर खड़ी है। ईरान और इजरायल के बीच जारी संघर्ष ने 10वें दिन भी अपनी विनाशलीला को नहीं रोका। इजरायल के हमलों में ईरान में अब तक 500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों ने तेल अवीव सहित इजरायल के कई शहरों को दहला दिया है। इजरायल ने एक बड़ा सैन्य ऑपरेशन चलाकर ईरान की खतरनाक सैन्य इकाई आईआरजीसी के दो बड़े कमांडरों सईद इजादी और बेहनाम शाहरियारी को मार गिराया है। जवाब में ईरान ने बेत शीआन में ड्रोन हमले कर भारी तबाही मचाई है। इन हमलों से स्पष्ट है कि यह युद्ध सिर्फ एक सीमित टकराव नहीं, बल्कि तीसरे विश्व युद्ध की भूमिका बनता जा रहा है। ईरान और इजरायल की सीधी सरहद नहीं है, लेकिन सीरिया और इराक के वायुक्षेत्र से होते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले जारी हैं। यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों की भी खुली अवहेलना है। इस संघर्ष का असर सिर्फ इन दोनों देशों तक सीमित नहीं है। यूक्रेन-रूस युद्ध पहले से जारी है, और अब यह तीसरा मोर्चा खुलने से वैश्विक महाशक्तियां दो खेमों में बंटती दिख रही हैं. इस संघर्ष का सबसे बड़ा खतरा है तेल की कीमतों में उछाल। पेट्रोलियम उत्पाद फिलहाल अपने न्यूनतम स्तर पर हैं, लेकिन यदि युद्ध लंबा चला तो विशेषज्ञों का अनुमान है कि कच्चे तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इससे पूरी दुनिया में महंगाई और मंदी दोनों का खतरा बढ़ जाएगा। भारत के लिए भी यह संकट चेतावनी है। एक ओर वह ईरान के साथ सदैव मित्रवत संबंधों में रहा है, तो दूसरी ओर इजरायल से रणनीतिक साझेदारी भी है। यदि अमेरिका इस युद्ध में उतरता है, तो भारत के सामने कूटनीतिक संतुलन बनाए रखने की कठिन चुनौती खड़ी हो जाएगी. डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका इस पूरे घटनाक्रम में संदेह के घेरे में है। उन्होंने पहले गाजा पट्टी पर इजरायली हमले रोकने की कोशिश की थी, लेकिन ईरान के मसले पर वे इजरायल को खुली छूट दे चुके हैं। इस तरह उनकी रणनीति शांति के बजाय टकराव को बढ़ावा देने जैसी प्रतीत हो रही है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो न केवल मध्यपूर्व, बल्कि सम्पूर्ण एशिया युद्ध की चपेट में आ सकता है। इस युद्ध के गंभीर परिणाम होंगे. परमाणु खतरा, वैश्विक मंदी, नागरिक उड़ानों का अवरोध, और कूटनीतिक गठजोड़ों में भारी उलटफेर। ट्रम्प का ह्वअमेरिका फर्स्टह्व एजेंडा एक राष्ट्रवादी नीति थी, जिसमें अमेरिका के हितों को सर्वोपरि रखते हुए वैश्विक सहयोग की धारणा को तिलांजलि दी गई। ट्रम्प ने नाटो देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने का दबाव बनाया और कहा कि ह्वअगर वे खर्च नहीं करेंगे, तो हम उनकी सुरक्षा की गारंटी नहीं देंगे।ह्व इससे यूरोप में अमेरिका की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो गए। ट्रम्प का 2018 में इस समझौते से हटना मध्य-पूर्व में तनाव का बड़ा कारण बना। लिटिल रॉकेट मैन जैसे अपमानजनक शब्दों और न्यूक्लियर बटन की धमकी से दुनिया थर्रा उठी थी।

फिलहाल इसे तीसरे विश्व युद्ध की आहट कहना जल्दबाजी होगी। उनका मानना है कि वैश्विक शक्तियां भलीभांति जानती हैं कि युद्ध से किसी को लाभ नहीं होता, केवल विनाश होता है। रूस-यूक्रेन और इजरायल-गाजा संघर्ष इसके हालिया उदाहरण हैं, जहां वर्षों से अस्थिरता बनी हुई है। इजरायल या अमेरिकी सैन्य अड्डों को निशाना बना सकता है, लेकिन इससे युद्ध का विस्तार होने का खतरा बढ़ जाएगा। हालांकि, भारत के लिए यह स्थिति आर्थिक और रणनीतिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण हो सकती है। खासकर तेल की कीमतों में वृद्धि, महंगाई और चाबहार पोर्ट जैसे निवेशों पर असर पड़ सकता है।

भारत की कूटनीति की परीक्षा

भारत को अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच संतुलन साधते हुए अपनी कूटनीति का प्रयोग करना होगा। ऐसे हालात में भारत की ऊर्जा सुरक्षा और विदेश नीति की समझदारी ही उसे संभावित नुकसान से बचा सकती है। इजरायल के अलावा आसपास बहरीन व अन्य देशों में ?स्थित अमेरिकी अड्डों को निशाना बना सकता है, तेल परिवहन मार्ग हॉर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान डाल सकता है। लेकिन ईरान सोच-समझकर ही ऐसा करेगा क्योंकि इससे युद्ध का विस्तार होने का खतरा है। यह संघर्ष लंबा नहीं चलेगा। यह कहना कठिन है लेकिन चीन और रूस के सीधे ईरान को सैन्य समर्थन की संभावना कम है, कूटनीतिक समर्थन दे सकते हैं। यही हाल पाकिस्तान सहित मुस्लिम देशों का रह सकता है। तेल की कीमतों में वृद्धि देश में ऊर्जा सुरक्षा की चुनौती व महंगाई बढ़ा सकती है। भारत के लिए अपने नागरिकों की सुरक्षा और चाबहार पोर्ट जैसे रणनीतिक निवेश फिलहाल जोखिम में पड़ सकते हैं। भारत को कूटनीतिक दृष्टिकोण से अमेरिका-इजरायल व ईरान के साथ सूझबूझ से संतुलित संबंध रखने होंगे। नीदरलैंड के हेग में 24 से 26 जून तक होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन पर भी युद्ध की छाया नजर आएगी। अब तक साइबर सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता के अलावा रूस के साथ युद्ध में फंसे यूक्रेन को समर्थन जैसे विषयों पर सम्मेलन केंद्रित था। लेकिन अब ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमरीकी हमले और इसके बाद पश्चिम एशियाई देशों की संभावित प्रतिक्रिया से निपटने जैसी रणनीति शिखर सम्मेलन का हिस्सा हो सकती है। ईरान के परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर अमेरिका ने बी-2 स्टील्थ बॉम्बर से 14 बंकर बस्टर बमों का गिराया है। इनमें से 12 बम फोर्डो पर गिराए और शेष दो नतांज पर। युद्ध क्षेत्र में यह इनका पहला इस्तेमाल है। बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर बी-2 स्टील्थ बॉम्बर में एयर डिफेंस भेदने की अद्भुत क्षमता है। खास फ्लाइंग विंग डिजाइन और बेहद कम इंफ्रारेड के चलते यह सिर्फ 0.001 वर्ग मीटर का रडार क्रॉस सेक्शन बनाता है जो छोटी चिड़िया के आकार से ज्यादा नहीं होता। इसलिए पकड़ में नहीं आता। बी-2 स्टोल्थ बॉम्बर की खासियत ये है कि इसे आसानी से टैक नहीं किया जा सकता। साथ ही यह बेहद उंचाई पर दूर तक उड़ान भर सकता है, जिससे एयर डिफेंस के लिए भी इसे भेद पाना बेहद मुशिकल है। साथ ही यह एक बार में 6 हजार नोटिकल मील (11100 किमी) की दूरी तय कर सकता है। अमेरिका ने दावा किया है कि फोर्डो परमाणु साइट पर 30,000 (करीब 13600 किलो) पाउड के मैसिव ओर्डिनेंस पैनिटेटर या बंकर बस्टर बम गिराए है। इन बमों में की खूबी यह है कि यह 200 फीट से ज्यादा नीचे टारगेट को निशाना बना कर तबाह कर सकते है। यह बम जीपीएस गाइडेड होने के कारण सटीक निशाना साधते हैं। अमेरिका हमले में पनडुब्बी से हॉहॉक सबसोनिक क्रूज मिसाइल के जरिए ईरान की नतांज और इस्फाहन साइट पर हमला किया गया। यह मिसाइल 1000 पॉड का वारहेड लेकर 1550 से 2500 किमी तक हमला कर सकती है।चीन की विस्तारवादी नीतियां पहले से दक्षिण एशिया क्षेत्र में चिंताएं बढ़ा रही हैं। चीन बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआइ) प्रोजेक्ट के जरिए पाकिस्तान के अलावा नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश और म्यांमार में जिस तरह पैर फैला रहा है, भारत की सुरक्षा और कूटनीति के लिए गंभीर खतरा है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भी बीआरआइ का हिस्सा है। यह पाकिस्तान के बलूचिस्तान के ग्वादर बंदरगाह को गिलगित-बाल्टिस्तान के रास्ते चीन के शिनजियांग से जोड़ता है। भारत इस गलियारे का विरोध करता रहा है। आशंका है कि ग्वादर बंदरगाह को चीन भविष्य में सैन्य ठिकाने के रूप में इस्तेमाल कर सकता है।

चीन से सर्तकता जरुरी

चीन की टेढ़ी चाल को देखते हुए सामान्य रिश्तों की बहाली की कोशिशों के दौरान भारत को फूंक-फूंक कर कदम बढ़ाने की जरूरत है। सीमा विवाद को सुलझाए बगैर चीन के साथ रिश्ते पूरी तरह निरापद नहीं हो सकते। जब तक यह नहीं होता, आर्थिक और बहुपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर फोकस किया जा सकता है।मेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पाक सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से लंच पर मुलाकात को भारत समेत दुनिया भर में आश्चर्य के साथ देखा गया, तो इसकी वजहें हैं. आश्चर्य इस पर है कि अमेरिका ने पहले आसिम मुनीर को आमंत्रित किये जाने से इनकार किया था. फिर ऐसा क्या हुआ कि राष्ट्रपति ट्रंप ने मुनीर को व्हाइट हाउस में लंच पर बुला लिया? ट्रंप पाक सेनाध्यक्ष से औपचारिक बातचीत भी तो कर सकते थे. लेकिन लंच पर बुलाकर ट्रंप ने इस मुलाकात को महत्वपूर्ण बना दिया. आश्चर्य इस कारण भी है कि अमेरिकी राष्ट्रपति आमतौर पर दूसरे देशों के सेनाध्यक्षों से नहीं मिलते. बेशक अतीत में पाकिस्तान के पूर्व सेनाध्यक्षों की तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपतियों से मुलाकातें हुई हैं. जैसे, जनरल अयूब खान की जॉन एफ कैनेडी से, जियाउल हक की जिमी कार्टर व रोनाल्ड रीगन से और परवेज मुशर्रफ की जॉर्ज बुश से मुलाकातें हुई हैं. लेकिन अयूब खान, जियाउल हक और परवेज मुशर्रफ तब सिर्फ सेनाध्यक्ष नहीं थे, बल्कि सत्ता उनके पास थी. जबकि आसिम मुनीर सेनाध्यक्ष हैं, जिन्हें हाल ही में फील्ड मार्शल बनाया गया है. आसिम मुनीर से व्हाइट हाउस में मुलाकात कर ट्रंप ने जता दिया है कि अमेरिका के लिए पाक सेनाध्यक्ष वहां के प्रधानमंत्री की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है. यही वास्तविकता भी है. नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिका और पाकिस्तान के सैन्य रिश्ते काफी मजबूत हैं तथा पाकिस्तान अमेरिका का गैर-नाटो सहयोगी भी है. हालांकि भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति का आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस में आमंत्रित करना भारत के लिए असहज करने वाला है. यह बात समझ लेनी चाहिए कि अमेरिका महाशक्ति देश है और वह अपना हित आगे रखता है. हमेशा से ही अमेरिका की यह नीति रही है. तिस पर डोनाल्ड ट्रंप ऐसे राष्ट्रपति हैं, जिन्हें दूसरे देशों या नेताओं की गरिमा या भावना का ख्याल न के बराबर है. वह व्हाइट हाउस में कैमरे के सामने सार्वजनिक तौर पर यूक्रेन के राष्ट्रपति को अपमानित कर चुके हैं. इसलिए ट्रंप से सौजन्यता की आशा नहीं करनी चाहिए. सवाल यह है कि फिलहाल आसिम मुनीर से मुलाकात के पीछे अमेरिका का क्या हित हो सकता है. अपने पहले राष्ट्रपति काल में ट्रंप के लिए जो पाकिस्तान आतंकवादियों का अड्डा था, दूसरे राष्ट्रपति काल में वही पाकिस्तान अब ट्रंप के लिए इतना प्रिय कैसे बन गया? दरअसल माना यह जा रहा है कि अमेरिका अब इस्राइल के साथ मिलकर ईरान पर हमला बोलने वाला है. ट्रंप ने हाल ही में जिस तरह ईरान से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, उसे इसी संदर्भ में देखना चाहिए. जहां तक पाकिस्तान की बात है, तो वह ईरान के साथ खड़ा है. पाकिस्तान ने पहले कहा भी था कि इस्राइल ने अगर ईरान पर परमाणु हमला किया, तो वह इस्राइल पर परमाणु बम गिरायेगा. ट्रंप पाकिस्तान को इसी से विरत कराना चाहते हैं. पाकिस्तान परमाणु शक्तिसंपन्न देश है, यह अमेरिका को भलीभांति मालूम है. यही नहीं, दुनिया को यह भी पता है कि पाकिस्तान अपने परमाणु बम को इसलामी बम कहता आया है. लिहाजा ईरान पर परमाणु हमला होता है, तो वह चुप नहीं बैठेगा. कहा यह जा रहा है कि ईरान पर हमला करने के लिए अमेरिका पाकिस्तान का एयरबेस इस्तेमाल करना चाहता है.

मोदी जी के ११ वर्षों के कार्य को जन जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : प्रवीण दरेकर

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ११ वर्षो के सफल ० विकास की धारा बहाने वाले कार्यकाल का उल्हासनगर शहर में नियमित रूप से प्रचार प्रसार किया जा रहा है। इसी क्रम में विधानपरिषद के आमदार प्रवीण दरेकर सोमवार को शहर में भाजपा के कार्यकताओं का मार्गदर्शन करने के लिए पहुंचे और उपस्थित सैकड़ों कार्यकताओं को प्रधानमंत्री मोदी के कार्यों का विवरण घर घर पहुंचाने के लिए प्रेरित किया।

भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आमदार कुमार आयलानी द्वारा प्रवीण दरेकर का भव्य सत्कार किया गया। आमदार कुमार आयलानी जिलाध्यक्ष राजेश वधार्या ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए मोदी सरकार की तमाम उपलब्धियों को बताया। आमदार कुमार आयलानी ने कहा की प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी ने विकास की जो गंगा बहाई है उससे न केवल देश बल्कि विदेशों में भी भारत का मान ऊंचा हुआ है। महाराष्ट्र में तमाम एक्सप्रेस वे , ट्रेनों की संख्या व सुसज्जित स्टेशन , नए एयरपोर्ट, किसानों, महिलाओं के लिए योजनाएं, डिफेंस के क्षेत्र, धार्मिक स्थलों जैसे राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर ऐसे सभी क्षेत्रों में काम किए हैं जिसके कारण भारत पहले के मुकाबले कई पायदान ऊपर पहुँच चुका है। जिलाध्यक्ष राजेश वधार्या ने कहा की पहले हर रोज घोटाले की गूँज होती थी लेकिन २०१४ के बाद केवल विकास की ही गूँज है। आयुष्मान भारत के द्वारा

गरीबों को उपचार मिल रहा है। योजनाओं का लाभ सीधा लाभार्थी को मिल रहा है।

विधान परिषद आमदार प्रवीण दरेकर ने भी मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा की मोदी जी द्वारा सेवा सुशासन ० गरीबों के कल्याण का काम किया गया। पहली सरकारें केवल गरीबी हटाने का नारा देती थी लेकिन मोदी जी ने गरीबी को प्रामाणिक तौर पर हटाने का काम किया है। डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों को पैसा उनके खाते में मिल रहा है जिससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगी। भारत पहले दूसरों पर निर्भर रहता था लेकिन अब भारत आत्मनिर्भर है आपरेशन सिन्दूर में सभी ने भारत का कौशल देखा जहाँ पर स्वदेशी मिसाइलों का प्रयोग किया गया तथा यह दिखाया गया की भारत की महिलाएं भी आत्मविश्वासी हैं और किसी भी मोर्चे को संभालने में सक्षम हैं।

इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी, महेश सुखरामानी,मनोहर खेमचंदानी, डॉ. एस बी सिंह, राम चार्ली पारवानी, डॉ. नाथानी, लाल पंजाबी,राजू जग्यासी,डॉ. कुमावत, राकेश पाठक, प्रकाश माखीजा, प्रशांत पाटिल, अर्चना करणकाले,दीपक छतलानी,मनोज साधनानी,अजित सिंग गुरुदीप सिंह लबाना ,समेत तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता इस दौरान मौजूद थे।

हेलियोन ने ठाणे में लॉन्च किया मोबाइल ओरल हेल्थकेयर क्लिनिक

ठाणे। हेलियोन (पहले ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन कंज्यूमर हेल्थकेयर), जो सेंसोडाइन जैसे लोकप्रिय ओरल केयर ब्रांड का निमार्ता है, ने ठाणे में एक नया मोबाइल ओरल हेल्थकेयर क्लिनिक शुरू किया है। यह कदम लोगों के रोजमर्रा के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह पहल सेंसोडाइन की उस परंपरा पर आधारित है, जिसमें भारतीयों को दांतों की सेहत के बारे में जागरूक किया जाता है। साथ ही, यह उन समुदायों को गुणवत्तापूर्ण डेंटल केयर सेवाएं प्रदान करता है, जहां ऐसी सुविधाएं कम हैं। जरूरतमंद लोगों तक सीधे ओरल हेल्थकेयर सेवाएं पहुंचाकर, हेलियोन करुणा, देखभाल और वैज्ञानिक समाधानों के साथ नेतृत्व कर रहा है। डॉक्टर्स फॉर यू (डीएफवाय), एक प्रमुख मानवीय संगठन, के सहयोग से शुरू किये गये इस मोबाइल क्लिनिक का उद्घाटन डॉ. वर्षा ससाने और डॉ. प्रशांत पाटिल (स्वास्थ्य विभाग, थाणे नगर निगम), डॉ. अशोक ढोबले (मानद महासचिव, आईडीए) साकेत झा (सचिव, डॉक्टर्स फॉर यू) और हेलियोन के टीम सदस्यों द्वारा किया गया। शानू सक्सेना, हेड-सीएसआर, एथिक्स एवंम कॉम्प्लायंस, हेलियोन इंडिया ने कहा, हेलियोन का मिशन है कि हर समुदाय का स्वास्थ्य बेहतर हो। ठाणे में उन लोगों को ध्यान में रखते हुए, जिन्हें ओरल हेल्थ की कम सुविधा मिलती है, हमें इस मोबाइल ओरल हेल्थकेयर क्लिनिक को शुरू करने पर गर्व महसूस हो रहा है। जरूरतमंद लोगों को ओरल हेल्थकेयर और जागरूकता प्रदान करके, हम गुणवत्तापूर्ण ओरल हेल्थकेयर तक उनकी पहुंच बढ़ा रहे हैं और स्वस्थ, सशक्त समुदाय बनाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं। इस पहल से हर साल लगभग 14,000 लोगों को लाभ होने का अनुमान है, जिसमें 9,000 से अधिक ओपीडी सत्रों से और लगभग 5,000 छात्रों को प्रत्येक वर्ष 40 स्कूल ओरल हेल्थ कार्यक्रमों के माध्यम से लाभ मिलेगा। योग्य हेल्थकेयर विशेषज्ञ सामुदायिक और स्कूल आउटरीच कार्यक्रमों का नेतृत्व करेंगे, जो ब्रशिंग की प्रभावी तकनीकों, पौष्टिक खान-पान की आदतों और नियमित ओरल केयर विजिट के महत्व पर जागरूकता प्रदान करेंगे।

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु पालघर में पर्पल फेयर 2025 का होगा आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। दिव्यांगजनों के आत्मसमान, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समावेशन को समर्पित पर्पल फेयर 2025 का भव्य आयोजन 27 जून को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक पालघर के जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में किया जायेगा। यह कार्यक्रम अली यावर जंग राष्ट्रीय वाचा व श्रवण दिव्यांगजन संस्था, बांद्रा, मुंबई तथा जिला परिषद पालघर के समाजकल्याण विभाग की संयुक्त पहल पर, भारत सरकार के सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय के मार्गदर्शन में आयोजित हो रहा है। इस फेयर का संचालन डॉ. सुमन कुमार, निदेशक, अली यावर जंग संस्था के नेतृत्व में किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला प्रशासन, दिव्यांग कल्याण विभाग, सामाजिक कल्याण विभाग, दिव्यांग पुनर्वसन केंद्र विरार, विशेष स्कूलों तथा स्वयंसेवी संगठनों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। पालघर में पहली बार हो रहे इस अनूठे उपक्रम में दिव्यांग उद्यमियों और कलाकारों के लिए उत्पाद व कला प्रदर्शनी स्टॉल, दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए पर्पल स्पोर्ट्स के अंतर्गत खेल स्पधाएँ, सहायक उपकरणों का वितरण और प्रदर्शन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रोजगार मेला और शासकीय योजनाओं से संबंधित सेवा स्टॉल्स की व्यवस्था की गई है। इस विशेष आयोजन में पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद, विधायक, दिव्यांग कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जिलाधिकारी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, उन्हें उनकी कला, उद्यम और खेल क्षमताओं के माध्यम से मंच प्रदान करना तथा रोजगार व सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर सशक्त बनाना है। आयोजकों ने पालघर व आसपास के दिव्यांग नागरिकों, उनके परिजनों, शैक्षणिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनकर इस सामाजिक जागरूकता अभियान को सफल बनाएं।

आपली माती आपली माणस संस्था ने हजारों युवाओं को पाठ्य पुस्तक, वृक्ष और हेलमेट वितरित किए

मुंबई। आपली माती आपली माणस ने पोलादपुर तालुका के श्री राम वरदायिनी माध्यमिक विद्यालय में तालुका के विभिन्न विद्यालयों के सैकड़ों विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तक, विभिन्न किस्मों के हजारों पेड़ और 100 युवाओं को हेलमेट वितरित करने का कार्यक्रम आयोजित किया। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक और औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले गणमान्य व्यक्तियों को नरवीर सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण ऐतिहासिक और लोकप्रिय फिल्म छावा के निर्देशक लक्ष्मण उतेकर ने मार्गदर्शन किया। उन्होंने दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, यदि आप समाज में एक अच्छे व्यक्ति के रूप में रहना चाहते हैं, तो आपको श्री छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन का अध्ययन करना चाहिए। उनकी जीवन से प्रेरणा लें। कार्यक्रम में रायगढ़ शिक्षण प्रसारक मंडल के अध्यक्ष हनुमान नाना जगताप, पूर्व जिला परिषद सदस्य चंद्रकांत कलंबे, पोलादपुर तहसीलदार कपिल घोरपड़े, महावितरण अधिकारी बालू चोरमारे, पुलिस निरीक्षक आनंद रावड़े सहित अन्य सरकारी अधिकारी उपस्थित थे। संस्था के संस्थापक राज पार्टे, अध्यक्ष नीलेश कोलस्कर, कार्यकारी अध्यक्ष संजय उतेकर आदि के साथ संस्था के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे। समाजसेवी रमाकांत म्हात्रे के साथ ही कार्यक्रम के विशेष कार्यकारी अध्यक्ष रायगढ़ जिला शारीरिक शिक्षण संगठन किसन सुरवसे, गुहागर मुख्य अधिकारी स्वप्निल चव्हाण आदि गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। पूर्व जिला परिषद सदस्य चंद्रकांत कळंबे ने अपने भाषण में आपली माती आपली मानस संस्था के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि, यह संस्था समाज को न्याय दिलाने की लड़ाई में सबसे आगे है। अन्य लोगों को भी संस्था की एकता के बल के सिद्धांत का पालन करना चाहिए। उक्त जानकारी संस्था के मीडिया प्रभारी निलेश मोरे ने दी है।

श्री सार्वजनिक रामलीला मंडल व युवा सहयोगी ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष बने राकेश उपाध्याय

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्री सार्वजनिक रामलीला मंडल एवं युवा सहयोगी चैरिटेबल ट्रस्ट की एक संयुक्त बैठक अध्यक्ष श्रवण सिंह राजपुरोहित की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए राकेश उपाध्याय को संस्था का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कोषाध्यक्ष पद के लिए प्रस्ताव एल के.पी. मिश्रा, महेन्द्र ओझा एवं रवि सिंह ने रखा, जिसे अनुमोदन प्रदान किया पं. राजू शर्मा व अशोक सिंह ने इस अवसर पर सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे और उपाध्याय को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं। संस्था अध्यक्ष राजपुरोहित ने उम्मीद जताई कि उपाध्याय अपने दायित्व का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए संस्था को और अधिक मजबूत बनाएंगे। बैठक में आगामी आयोजनों व सामाजिक कार्यों को लेकर भी चर्चा की गई।

केन्द्रीय जीएसटी आयुक्तालय भिवंडी द्वारा विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण कर किया गया सम्मानित

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। केन्द्रीय जीएसटी आयुक्तालय भिवंडी ने वस्तु एवं सेवा कर के 8वें स्थापना दिवस के अवसर पर एक विशेष पहल की शुरूआत की है जिसका मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों में जीएसटी के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस आयोजन के तहत 19 जून 2025 को भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के स्कूल क्रमांक 62 एवं 22 के विद्यार्थियों के लिए निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। यह कार्यक्रम आयुक्त संजीव कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा अपर आयुक्त तारिक मबूद और सुश्री नैंसी डिसूजा के नेतृत्व में आयोजित किया गया था। इस आयोजन में सुनंद झोडिया (उपायुक्त) तथा मानस दास

और सुरेंद्र कवितकर (सहायक आयुक्तों) की सक्रिय भागीदारी रही है। इसका आयोजन वसंत सोनकुसले (सहायक आयुक्त डिवीजन-1) और राजेश पमनानी (सहायक आयुक्त डिवीजन-4) द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया जिसमें जितेश नाईक (सहायक आयुक्त डिवीजन 2 एवं 3), सुनील प्रसाद (सहायक आयुक्त डिवीजन-4) के साथ-साथ डिवीजन 1 से 5 तक के समस्त अधिकारियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

इस अवसर पर भिवंडी पूर्व विधानसभा के विधायक रईस कासम शेख , भिवंडी मनपा आयुक्त अमोल सागर आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की शुरूआत छात्रों द्वारा स्वागत गीत और जीएसटी पर आधारित एक प्रभावशाली नाटक के साथ की गयी जिसने पूरे आयोजन को एक रचनात्मक और शिक्षाप्रद दिशा दी। जीएसटी पर आधारित विषयों पर आयोजित इस प्रतियोगिता में 100 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जहाँ उन्होंने अपनी रचनात्मकता और विषय की समझ को चित्रों और निबंधों के माध्यम से प्रस्तुत किया। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और जीएसटी अधिकारियों ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उनके प्रयासों की सराहना किये। जिसका पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान उनका उत्साहवर्धन किया। जीएसटी भिवंडी आयुक्तालय द्वारा सफल आयोजन के लिए आये हुये सभी अतिथियों , विद्यालय प्रशासन एवं भाग लेने वाले विद्यार्थियों का आभार प्रकट किया।

रिक्सा चालकों से मनमानी दंड वसूली पर : भड़के महेश गायकवाड़

गरीब रिक्सा वालों से 10 हजार का दंड वसूली अन्याय कारक

कल्याण (उत्तरशक्ति)। ट्रैफिक पुलिस द्वारा रिक्शा चालकों पर हो रही कार्रवाई को लेकर शिंदे गुट के पूर्व नगरसेवक महेश गायकवाड ने ट्रैफिक पुलिस से मुलाकात कर ट्रैफिक इंचार्ज सचिन सांडभोर को एक निवेदन सौंपा। निवेदन के माध्यम से महेश गायकवाड ने अन्यायकारी कार्रवाई को रोकने की मांग की है।

ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई को अन्यायकारी बताते हुए महेश गायकवाड ने कहा कि ट्रैफिक पुलिस द्वारा नियमों के अधीन कार्रवाई ना करते हुए जरूरत से ज्यादा दंड वसूला जा रहा है। गायकवाड ने कहा कि 10 हजार रुपये दंड वसूलकर गरीब रिक्शा चालकों के साथ अन्याय किया जा रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई का महेश गायकवाड़ ने विरोध किया है। इस कार्रवाई को रोक कर नियमों के अधीन कार्रवाई करने की मांग महेश गायकवाड ने की। अन्यथा रिक्शा चालकों के सतज उग्र आंदोलन करने की चेतावनी भी गायकवाड ने दी है।

बोईसर-पालघर पत्रकार संघ का त्रैवार्षिक चुनाव संपन्न, रामप्रकाश निराला पुन: अध्यक्ष निर्वाचित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रियता और सामाजिक सहभाग के लिए प्रसिद्ध बोईसर-पालघर पत्रकार संघ (रजि.) का त्रैवार्षिक चुनाव (2025-2027) शांतिपूर्ण और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत संपन्न हुआ। वरिष्ठ पत्रकार आशाद बन्ने शेख की देखरेख में सम्पन्न इस चुनाव में रामप्रकाश निराला एक बार फिर संघ के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, 15 व 16 जून को नामांकन दाखिल किए गए, 17 जून को जांच और 18 जून को नाम वापसी की प्रक्रिया हुई। कार्याध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में जयप्रकाश रघुनाथ पाटील ने 12 मत प्राप्त कर प्रमोद तुकाराम गजभिये (03 मत) को 09 मतों से पराजित किया। मतदान 20 जून को होटल सरोवर, चित्रालय में शांतिपूर्ण वातावरण में गोपनीय पद्धति से कराया गया था।बाकी सभी पदों के लिए चयन निर्विरोध रहा। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में अध्यक्ष

रामप्रकाश निराला, कार्याध्यक्ष जयप्रकाश पाटील, उपाध्यक्ष बी.एन. शुक्ला, प्रवीण पाटील व निलेश नगरकर, महासचिव मोहन म्हात्रे, सचिव दीपक निराला, कोषाध्यक्ष नीता श्रीधर राऊत, कार्यकारिणी सदस्य मृत्युंजय पांडे व संगीता शाह शामिल हैं।

22 जून को आयोजित संघ की सर्वसाधारण सभा में इस नई कार्यकारिणी को सर्वसम्मति से अनुमोदन व मान्यता प्रदान की गई। तत्पश्चात चुनाव अधिकारी आशाद शेख ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। अपना कार्यभार संभालते हुए पदाधिकारियों ने पत्रकारिता की गरिमा और जनहित के लिए संघ को अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। चुनाव प्रक्रिया के निष्पक्ष संचालन के लिए आशाद शेख का पुष्पगुच्छ व स्मृतिचिह्न भेंट कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जिले के वरिष्ठ पत्रकारों, समाजसेवियों एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने नवनिर्वाचित टीम को शुभकामनाएं दीं।

आशीर्वाद फाउंडेशन द्वारा अंतिम यात्रा के लिए सम्मानजनक वाहन सेवा निशुल्क उपलब्ध

पालघर(उत्तरशक्ति। समाज सेवा की मिसाल पेश करते हुए आशीर्वाद फाउंडेशन ने अंतिम यात्रा के लिए सम्मानजनक और गरिमामय वाहन सेवा की शुरूआत की है। यह सेवा 24 घंटे, सातों दिन पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। फाउंडेशन का उद्देश्य शोकाकुल परिवारों को अंतिम संस्कार की कठिन घड़ी में सहारा देना है। यह विशेष वाहन सेवा न केवल गरिमामय ढंग से अंतिम यात्रा के लिए डिजाइन की गई है, बल्कि इसे चलाने वाला स्टाफ भी अनुभवी और सहानुभूति से भरपूर है। फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष विक्रम सैनी ने बताया कि यह सेवा उन परिवारों के लिए एक सहारा

बनेगी जो संकट की घड़ी में उचित संसाधनों के अभाव में परेशान होते हैं। कार्यक्रम के आयोजक कौशल बलसारा ने जानकारी दी कि वाहन में आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो अंतिम संस्कार की गरिमा को बनाए रखने में सहायक हैं। संस्थापक अध्यक्ष विक्रम सैनी,

प्रवीण मालपानी (खंजदार), पंकज गुप्ता (सचिव), राजेश सैनी (कानूनी सलाहकार), विनोद पोद्दार (सामान्य सलाहकार), आयोजक कौशल बलसारा, ग्राम पंचायत सदस्य आतेज राऊत सहित कई समाजसेवियों की पहल से यह सेवा शुरू की गई। सेवा का लाभ उठाने हेतु विक्रम सैनी के दूरभाष क्रमांक 7276384715 पर संपर्क कर सकते हैं।

टाटा मोटर्स ने लॉन्च किया ऐस प्रो

ठाणे (उत्तरशक्ति)। भारत की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निमार्ता कंपनी, टाटा मोटर्स ने ऑल-न्यू टाटा ऐस प्रो को लॉन्च कर कार्गो मोबिलिटी के क्षेत्र में नई उपलब्धि हासिल की है। इस लॉन्च के साथ कंपनी ने छोटे कार्गो परिवहन में एक नए युग का आगाज किया है। केवल 3.99 लाख की शुरूआती कीमत के साथ, टाटा ऐस प्रो भारत का सबसे किफायती फोर-व्हील मिनी ट्रक है, जो असाधारण दक्षता, शानदार लचीलापन और उत्कृष्ट मूल्य प्रदान करता है।नए उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किया गया, टाटा ऐस प्रो पेट्रोल, बाय-फ्यूल (सीएनजी + पेट्रोल), और इलेक्ट्रिक वैरिएंट्स में उपलब्ध है। यह ग्राहकों को उनकी व्यावसायिक आवश्यकताओं के लिए आदर्श समाधान चुनने की सुविधा देता है। ग्राहक टाटा मोटर्स के देशभर में फैले 1250 वाणिज्यिक वाहन बिक्री केंद्रों या टाटा मोटर्स के ऑनलाइन सेल्स प्लेटफॉर्म, फ्लीट वर्स पर अपने पसंदीदा ऐस प्रो वैरिएंट को बुक कर सकते हैं। टाटा ऐस प्रो के स्वामित्व को सुविधाजनक बनाने के लिए, टाटा मोटर्स ने प्रमुख बैंकों और एनबीएफसी के साथ साझेदारी की है ताकि लोन की फौरन स्वीकृति, लचीले ईएमआई विकल्प और बेहतर वित्तीय सहायता सहित

परेशानी मुक्त फाइनेंसिंग समाधान प्रदान किए जा सकें। यह अलग-अलग तरह के ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

ऐस प्रो के लॉन्च पर, टाटा मोटर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, गिरीश वाघ ने कहा, टाटा ऐस के लॉन्च ने भारत में कार्गो परिवहन में तहलका मचा दिया था। पिछले 20 सालों में, यह 25 लाख से ज्यादा उद्यमियों को सशक्त बनाकर प्रगति और अवसरों का प्रतीक बन गया है। नए टाटा ऐस प्रो के साथ, हम इस विरासत को नए जोश के साथ और नई पीढ़ी के सपने देखने वालों के लिए आगे ले जा रहे हैं। मजबूती, सुरक्षा और मुनाफे के लिए बनाया गया, ऐस प्रो अधिक कमाई के मौके देता है ताकि महत्वाकांक्षी उद्यमी अपने भविष्य को बेहतर बना सकें।

टाटा ऐस प्रो के बारे में बात करते हुए, टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के वाइस प्रेसिडेंट एवं बिजनेस हेड पिनाकी हल्दर ने कहा, टाटा ऐस प्रो को ग्राहकों की जरूरतों को समझकर बनाया गया है और इसे कई तरह के कामों के लिए तैयार किया गया है। इसे अलग-अलग इलाकों और मौसम में लाखों किलोमीटर तक कठिन परीक्षणों में आजमाया गया है। इसके मल्टी-फ्यूल विकल्प, किफायती कीमत और शानदार ड्राइविंग अनुभव के साथ, ऐस प्रो हर तरह के उपयोग में शानदार मूल्य देता है। यह हमारे उत्पादों में एक महत्वपूर्ण संकलन है, जो उद्यमियों और छोटे व्यवसायों को भरोसेमंद और भविष्य के लिए तैयार परिवहन समाधान देने की टाटा मोटर्स की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे शहर ऐस प्रो ईवी के लिए बहुत उपयुक्त हैं, जो एफएमसीजी, फ्लीट लॉजिस्टिक्स, डार्क स्टोर्स और पेय वितरण जैसे कामों में दक्षता और भरोसा देता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जिला अस्पताल में सीटी स्कैन का हुआ शुभारम्भ

मशीन स्थापित हो जाने से गरीब, कमजोर, असहाय लोगों को मिलेगी मददः राज्यमंत्री

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव के द्वारा पूर्व सांसद केपी सिंह की उपस्थिति में अमर शहीद उमानाथ सिंह जिला चिकित्सालय में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत रुपए 1.56 करोड़ की लागत से स्थापित 32 स्लाइस सीटी स्कैन की मशीन का विधिवत पूजन कर तथा फीता काटकर लोकार्पण किया गया। राज्यमंत्री ने कहा कि जिला अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन हो जाने से और मरीजों को सीटी स्कैन कराने हेतु किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नही करना पड़ेगा। उन्हे सीटी स्कैन कराने के लिए बाहर नहीं जाना होगा अब अस्पताल के भीतर ही सीटी स्कैन कराने की सुविधा उपलब्ध हो गयी है। मशीन स्थापित हो जाने से गरीब, कमजोर, असहाय लोगो को मदद मिलेगी। जनपद में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार आयेगा और बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं एक ही छत के नीचें मिल सकेंगी। जिला

अस्पताल में निर्धारित शुल्क मात्र रु0 500 में ही सीटी स्कैन हो सकेगा। जनपद के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है।

राज्यमंत्री जी ने कहा कि उनका हमेशा से प्रयास रहा है कि जिला चिकित्सालय में सभी प्रकार की चिकित्सकीय सुविधाए उपलब्ध हो इसके लिए भविष्य में भी चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के साथ ही समस्त मूलभूत सुविधाए उपलब्ध कराया जाएगा।उन्होने बताया इस मशीन सीएसआर फंड से स्वीकृति दिलाने में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों का अद्वितीय योगदान रहा है।जिसके लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने कहा कि जिला अस्पताल में यह सीटी स्कैन मशीन अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित है। उन्होन राज्यमंत्री को इस मशीन को उपलब्ध कराने पर उनका आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके अथक प्रयास से यह कार्य सम्भव हो पाया है, जिससे आम जनमानस को निश्चित रूप से राहत मिलेगी। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिया कि सुनिश्चित किया जाए की बाहर से सिटी स्कैन करने हेतु न लिखा जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में चिकित्सा व्यवस्था में त्रीव गति से सुधार हो रहा है। उन्होंने चिकित्सा विभाग से जुड़े अधिकारी, कर्मचारी सहित आम जनमानस को इसके लिए बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन डा0 शैफ खान ने किया। इस अवसर पर सीएसआर चीफ देवेन्द्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.लक्ष्मी सिंह, सीएमएस डॉ0 के.के. राय, प्रतिनिधि अजय सिंह, मनीष श्रीवास्तव सहित अन्य उपस्थित रहे।

कजगांव में घटिया निर्माण कार्य को लेकर नाराज नगरवासियों ने किया जोरदार प्रदर्शन

नगर पंचायत कजगांव फिर बना सुर्खियों में

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत कजगांव एक बार फिर चर्चा में है। इस बार वजह है माधोपट्टी वार्ड में हो रहा सीसी रोड निर्माण, जो पूरी तरह से मानकों को ताक पर रखकर किया जा रहा है। घटिया निर्माण कार्य को लेकर नाराज नगरवासियों ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई।

लोगों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरती जा रही है। न तो रोड की मोटाई मानक के अनुसार है और न ही सामग्री की गुणवत्ता का ध्यान रखा जा रहा है। विरोध कर रहे नागरिकों ने नगर पंचायत अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी पर भी गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए, कहा कि दोनों कुंभकर्णी निद्रा में सोए हैं। स्थानीय निवासी राधे श्याम गौतम, सुरज कन्नौजिया, आलोक मौर्य और अखिलेश यादव सहित दर्जनों लोगों ने कहा कि यदि शीघ्र ही निर्माण कार्य को रोकर जांच नहीं कराई गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। नगरवासियों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब कजगांव नगर पंचायत पर अनियमितता के आरोप लगे हों। यह निकाय अक्सर अपने विवादित कार्यो के चलते सुर्खियों में बना रहता है।

जब इस सम्बन्ध में कजगांव नगर पंचायत अध्यक्ष से दूर संचार के माध्यम से सम्पर्क किया गया तो काल जाने के बाद भी काल रिसीव नहीं हुआ ।कई बार उत्तरशक्ति के संवाददाता ने काल लिया। कहने वाले यह भी कहते है कि जल्दी पत्रकार का नगर पंचायत अध्यक्ष काल रिसीव नहीं करते है।

प्रमुख मांगेंः घटिया निर्माण की जांच हो, संबंधित ठेकेदार पर कार्रवाई की जाए, अध्यक्ष व ईओ की भूमिका की जांच हो, निर्माण कार्य दोबारा मानक के अनुसार शुरू कराया जाए।

ग्राम पंचायत सिधौना में विगत कई सालों से नहीं है सफाई कर्मी

◆ **आए दिन गांव के नाले हो रहे हैं जाम**

मुहम्मद आरिफ

सिधौना,आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। ग्राम पंचायत सिधौना एक बड़ा

गांव है ।इस समय झमाझम बारिश हो रहा है जहां विगत कई सालों से सफाई कर्मी नहीं है।

सिधौना गांव और सिधौना बाजार में आए दिन कूड़ो का अंबार लगा रहता है।जिससे गांव के नाले जाम हो जाते हैं। आए दिन सड़कों पर गंदगी दिखाई देती रहती है।बारिश का मौसम चल रहा है आए दिन बारिश हो रही है जिससे जमा हुए कूड़े पानी में फैल कर सड़न एवं गंदगी उत्पन्न कर रहे हैं।जगह-जगह बदबू उत्पन्न हो रहा है गंदगी की वजह से मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। सिधौना बाजार में स्थित शिवा शिव मंदिर स्थल के चारों तरफ बारिश का पानी जमा हो गया है। जिससे पहले के फेके गए कूड़े जल में तैर रहे हैं। रुका हुआ पानी में सड़न उत्पन्न हो रहा है कुछ पानी तो निकल जाता है लेकिन कुछ पानी तो कड़ी धूप होने पर ही सुख पाता है। सिधौना गांव में भी इस समय नाले की सफाई न होने की वजह से नाले जाम है और नाले सहित बारिश का पानी रोड पर बह रहा है ।जिससे आने जाने वाले ग्रामीणों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है ।लेकिन शासन प्रशासन का ध्यान इस विषय पर नहीं है। उक्त ग्राम सभा सिधौना मे सिद्धेश्वरी माता जी का प्रसिद्ध प्राचीन मंदिर भी है जहां मंदिर के चारों तरफ प्रतिदिन साफ- सफाई की आवश्यकता पड़ती है ।लेकिन सफाई कर्मी नहीं रहने से सुचारू रूप से मंदिर परिसर की साफ सफाई नहीं हो पता है।

इस विषय पर कई बार समाचार लिखा गया लेकिन शासन प्रशासन का ध्यान अभी तक आकृष्ट नहीं हुआ,जिससे इस विषय पर लोगों में रोस व्याप्त है। जगह-जगह पर कूडों के इकट्ठा हो जाने के कारण बरसात के पानी का रास्ता भी जाम हो जाता है। जनहित को ध्यान में रखते हुए शासन प्रशासन का ध्यान पुनः इस विषय पर आकृष्ट कराया जा रहा है कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान हो सके जिससे लोग इस समस्या से निजात पा सके।

मीरान शाह बाबा के मुजावर की लाठी से पीटकर हत्या, पुलिस ने आरोपी को लिया हिरासत में

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्र के विजयगढ़ दुर्ग पर स्थित मीरान शाह बाबा की मजार के मुजावर (पुजारी) की रविवार को लाठी से पीटकर हत्या कर दी गई। युवक ने सिर पर जोरदार प्रहार किया और मुजावर की मौत हो गई। घटना के पहले दोनों के बीच कहासुनी भी हुई थी। एएसपी, सीओ सहित अन्य अफसरों ने घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन की। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

नरोखर गांव निवासी इब्राहिम उर्फ चिल्लर बाबा (55) विजयगढ़ किले पर स्थित सैयद मीरान शाह बाबा की मजार के मुजावर थे। वह लंबे समय मजार की देखरेख कर रहे थे। रविवार की सुबह करीब 10 बजे एक युवक मजार पर पहुंचा। वहां किसी बात को लेकर मुजावर से उसका विवाद हुआ। बताते हैं कि कहासुनी के बाद वह वहां से गुस्से में गया। कुछ देर बाद ही पास में ही टूटे पेड़ की डाल का डंडा लेकर आया और मजार के बगल में मड़हे में लेटे मुजावर के सिर पर जोरदार प्रहार कर दिया। हमला इतना तेज था कि डंडा लगते ही इब्राहिम शाह की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोग दौड़कर घटनास्थल पर पहुंचे और सूचना पुलिस को दी। कुछ ही देर में रामपुर बरकोनिया पुलिस मौके पर पहुंच गई। एएसपी अनिल कुमार, सीओ सदर रणधीर मिश्र, सीओ घोरावल राहुल पांडेय ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। इब्राहिम शाह के पुत्र बसीर शाह की तहरीर पर पुलिस ने रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के भुअरी गांव निवासी आरोपी युवक रवि कन्नौजिया के विरुद्ध हत्या सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त है। सीओ सदर रणधीर मिश्र के मुताबिक केस दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

जौनपुर शहर के दिलाजाक मोहल्ले के श्रमिक की संदिग्ध मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के इंदिरा मार्केट में स्थित आटा पीसने की चक्की पर काम कर रहे श्रमिक की करंट लगने से मौत हो गई। शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला दिलाजाक पठान टोलियां निवासी दीपक कुमार सेठ पुत्र स्वर्गीय मंगरु सेठ इंदिरा मार्केट में स्थित पंडित जी की आटा चक्की पर काम करके अपने परिवार का जीवन यापन करता था। रविवार दोपहर लगभग एक बजे दीपक चल रही चक्की को बंद करने के लिए बिजली स्विच ऑफ किया उसी समय उन्हें करंट मार दिया। कुछ ही देर में वहां मौजूद रहे व्यक्तियों ने जिला अस्पताल पहुंचाया यहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी होने पर स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के तीन बच्चे हैं जिसमें सबसे बड़ी पुत्री प्रियांशी 10 वर्ष तथा छोटे पुत्र दिव्यांशु और हिमांशु है। करंट लगने से हुई इस मौत के कारण एक तरह से देखा जाए तो छोटी सी उम्र में उनकी पत्नी और तीन बच्चे बेसहारा हो गए हैं। मोहल्ले में शौक की लहर फैली हुई है।

सीनियर सेल्स मैनेजर, सेल्स मैनेजर पद पर हुआ साक्षात्कार

कीर्ति कुञ्ज ऑटोमोबाइल्स ने पीयू के छात्रों को दिए अवसर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ

द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में कीर्ति कुञ्ज ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड ने छात्रों को रोजगार के नए अवसर प्रदान किए। इस अवसर पर कंपनी के एचआर मैनेजर श्री अश्विनी सिंह व श्रीमती रोशनी सिंह ने प्रतिभाग किया। प्लेसमेंट ड्राइव विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेल में आयोजित हुआ। उप समन्वयक सुशील कुमार ने बताया कि यह ड्राइव उन छात्रों के लिए भी था जो पिछले सप्ताह आयोजित रोजगार मेला2025 में प्रतिभाग नहीं कर सके थे। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. वंदना सिंह के मार्गदर्शन में प्लेसमेंट गतिविधियाँ तेजी से आगे बढ़ रही हैं तथा आने वाले सत्र में भी कई प्रतिष्ठित कंपनियों को आमंत्रित किया जाएगा।कार्यक्रम की शुरूआत प्री-प्लेसमेंट टॉक से हुई, जिसमें कंपनी प्रतिनिधियों ने कंपनी प्रोफाइल, जॉब रोल, सैलरी, बोनस, कार्य समय और लोकेशन से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी। छात्रों ने पूछे गए प्रश्नों का प्रतिनिधियों ने संतोषजनक उत्तर दिया। कंपनी ने सेल्स मैनेजर और सीनियर सेल्स मैनेजर पद के लिए साक्षात्कार लिया। चयन परिणाम जल्द ही घोषित किए जाएंगे।

कार्यक्रम के अंत में सुशील कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कई छात्र-छात्राएं जैसे दिनेश चंद अस्थाना, मनु मिश्रा, सौम्या गुप्ता, दिनकर मौर्य आदि उपस्थित रहे।

मछलीशहर में अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत

खबर लगते ही परिजनों का रो रो कर हुआ बुरा हाल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत जहांसापुर गांव के रहने वाले सोनू पटेल (30 वर्ष), पुत्र राजेन्द्र प्रसाद पटेल की सोमवार की भोर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, सोनू भोर चार बजे के आसपास किसी काम से घर से निकले थे कि रायबरेली- मछलीशहर राष्ट्रीय राजमार्ग पर श्रीनेतगंज बाजार से लगभग 100 मीटर पहले अज्ञात वाहन ने उन्हें रौंद दिया।हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से मृतक की पहचान उनके कपड़ों के आधार पर की। जैसे ही यह दुखद खबर घर पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। सोनू की असमय मौत से पत्नी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि सोनू की एक मात्र पांच वर्षीय बेटी है, जो अब पिता के साये से वंचित हो गई।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अज्ञात वाहन की तलाश में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जौनपुर में दुकान से गुटका देना एक बालक को पड़ा महंगा, गंवाई जान

रियाजुल हक

मड़ियाहूं,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कस्बा में गुटखा देने पहुँचा, उसी दौरान चालक ने लापरवाही पूर्वक चलती ट्रैक्टर से गुटखा लेने का प्रयास किया, जिससे राज यादव संतुलन खो बैठा और ट्रैक्टर के अगले

चक्के के नीचे आ गया। हादसे में बालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया।सूचना मिलते ही मड़ियाहूं पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर थाने लाई। लेकिन जैसे ही पुलिस शव को कोतवाली परिसर में ले जाने लगी, परिजनों और ग्रामीण महिलाओं ने विरोध जताया। थाने के बाहर परिजनों ने शव को पुलिस से छीन लिया और सड़क पर बैठकर रोना-पीटना शुरू कर दिया, जिससे माहौल गमगीन हो गया।काफी प्रयास के बाद कोतवाल ने अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया और किसी तरह महिलाओं से शव को लेकर पिकअप वाहन में रखवाया ।शव को काले किट में पैक कर जिला मुख्यालय स्थित मर्चरी हाउस भेज दिया गया। इस दौरान पुलिस और महिलाओं के बीच कहासुनी भी हुई, हालांकि बाद में उन्हें समझा-बुझाकर शांत कराया गया और घर भेज दिया गया। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना से गांव और परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है।

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह बाबा विश्वनाथ दर्शनार्थ पहुंचे काशी, दर्शन- पूजन कर लिया आशीर्वाद

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी काशी पहुंचे, साथ ही साथ उन्होंने बाबा विश्वनाथ धाम पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना किया। बाबा के अद्भुत दर्शन करने के बाद कॉरिडोर का भ्रमण भी किया और काशी और प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद करते हुए काशी को

प्रणाम किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भगवान विश्वनाथ की नगरी में आना हमेशा सुखद होता है, उनका आशीर्वाद हम सभी को मिलता है। हम देवभूमि उत्तराखंड से यहां आए हैं। यहां गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में चार राज्यों की परिषद की बैठक होगी, जिसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होती है। प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने में हम सभी राज्यों का योगदान होगा।

आवश्यकता है

फरीदुल हक मेमोरियल पी0जी0 कालेज तालीमाबाद सबरहद शाहगंज जौनपुर में स्वावित्तपोषित योजनान्त्रगत गृहविज्ञान, समाजशास्त्र, भौतिक विज्ञान व गणित में एक एक तथा रसायन विज्ञान एवं प्राणि विज्ञान में तीन तीन प्रवक्ताओं तथा एक कार्यालय सहायक जिसे कम्प्यूटर का पूर्ण ज्ञान हो (हिन्दी व अंग्रेजी टाइपिंग के साथ साथ समस्त आनलाइन कार्यों में दक्ष हो) की आवश्यकता है। योग्यता एवं वेतनमान उत्तर प्रदेश शासन/यू.जी.सी. के नियमानुसार। इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी तत्काल कालेज के पते पर अथवा मोबाइल नम्बर 9236926850 पर प्रातः10 बजे से शाम 05 बजे के बीच अपने समस्त अभिलेखों के साथ संपर्क करें।

प्राचार्य

सरस्वती विद्या मन्दिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारीनाथ के प्रांगण में नवीन समिति का गठन

डा.क्षितिज शर्मा अध्यक्ष, संजय श्रीवास्तव प्रबन्धक एवं डा.विनोद कन्नौजिया संरक्षक चुने गये

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय शिक्षा समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश के निदेर्शानुसार सरस्वती विद्या मन्दिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारीनाथ के प्रांगण में नवीन समिति के गठन को लेकर सोमवार को बैठक हुई जहां चुनाव अधिकारी के रूप में शशिकांत उपस्थित रहे। इस मौके पर अतुल सिंह ने अध्यक्ष पद हेतु वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डा. क्षितिज शर्मा के नाम का प्रस्ताव रखा जिस पर संदीप सिंह एवं हर्षवर्धन गुप्त ने समर्थन किया। तत्पश्चात डा. क्षितिज शर्मा को सर्वसम्मत से विद्यालय के नवीन समिति का अध्यक्ष चुन लिया गया जिस पर उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। साथ ही नवचयनित अध्यक्ष डा. शर्मा ने नयी प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति की घोषणा कर दी।घोषणा के

अनुसार वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. विनोद कन्नौजिया को संरक्षक और संजय श्रीवास्तव एडवोकेट को प्रबन्धक चुना गया। संजय श्रीवास्तव को पुनः प्रबन्धक चुना गया जो दूसरे व्यक्ति हैं जिनको प्रबन्धक जैसे महत्वपूर्ण पद का पुनः दायित्व सौंपा गया। इसके अलावा वरिष्ठ समाजसेवी राकेश श्रीवास्तव उपाध्यक्ष, वन्दना सरकार सह प्रबन्धक, हर्षवर्धन जी कोषाध्यक्ष, कंचन सिंह प्रान्तीय प्रतिनिधि एवं प्रधानाचार्य गणेश दत्त उपाध्याय पदेन सदस्य चुने गये।

साथ ही दिवाकर पाठक, दिनेश कुमार, विजय सोनकर, संदीप सिंह एवं अतुल सिंह कार्यकारिणी सदस्य चुने गये। इस पर उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। अन्त में प्रबन्धक संजय श्रीवास्तव एडवोकेट ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि आप लोगों की उम्मीद पर पुनः खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा।

धर्म परिवर्तन कराने वाले पांच गिरफ्तार

महराजगंज थानाध्यक्ष को मिली बड़ी सफलता

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के केवटली दलित बस्ती में एक मकान में धर्म परिवर्तन कराकर ईसाई धर्म मे कराया जा रहा था।ऐसे में हिन्दू धर्म की निंदा व परिवर्तन कराने की सूचना राकेश सिंह द्वारा थाने में दिया।ऐसे में पुलिस धर्म परिवर्तन कराने वाले पांच को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। राकेश सिंह द्वारा थाने में दी गई प्रार्थना पत्र के अनुसार केवटली के दलित बस्ती में गुलाब चन्द्र के मकान में हिन्दू धर्म का परिवर्तन ईसाई धर्म कराने का कार्य विगत वर्षों से हो रहा था। धन व रोग से दूर करने हेतु पास्टर द्वारा प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। ऐसे में थानाध्यक्ष अमित पांडेय पुलिस टीम के साथ धर्म परिवर्तन कराने वाले के घर पहुँच कर स्थानीय थाना क्षेत्र के गुलाब चन्द्र, राजेश कुमार, सुजानगंज थाना क्षेत्र के संदीप कुमार, थाना मछलीशहर के राम अनुज, सुनील कुमार को गिरफ्तार कर लिया।साथ ही दस बाइबिल, उन्नीस पॉकेट बुक, चौहत्तर

धर्म परिवर्तन साहित्य पुष्तक व 124 फोटो ग्राफ बरामद किया।इस सम्बंध में क्षेत्राधिकारी विवेक कुमार सिंह ने बताया कि धर्म परिवर्तन कराने वाले पांच लोगों को गिरफ्तार कर धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021के तहत व अन्य सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

काशी के डॉ.मनोज तिवारी गोरखपुर में सम्मानित

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक एवं समाजसेवी डॉ मनोज कुमार तिवारी को उनके द्वारा समाज में किया जा रहे उत्कृष्ट सेवा कार्यों हेतु गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा जटाशंकर, गोरखपुर द्वारा स्मृति चिन्ह एवं पुष्प देकर सम्मानित किया गया। विदित हो डॉ मनोज तिवारी विगत 25 वर्षों से अधिक समय से समाज में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने हेतु सतत रूप से प्रयासरत है। इस क्रम में उन्होंने पुस्तक लेखन के साथ-साथ विभिन्न स्थानीय, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं एवं समाचार पत्र में 75 से अधिक लेखों का प्रकाशन किया है।

डॉ.तिवारी द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस, पीएसी बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, रेलवे सुरक्षा बल, एनडीआरफ, दिव्यांगजनों, बंदीजनों, गरीब बच्चों व महिलाओं, विद्यार्थी वर्ग तथा अन्य लोगों के लिए सतत रूप से मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर का निशुल्क आयोजन किया जाता है। डॉ तिवारी द्वारा परामर्श के माध्यम से न केवल लाखों लोगों का तनाव प्रबंधन किया है बल्कि उन्होंने सैकड़ों लोगों को आत्महत्या करने से बचाया है। पहले भी कई संस्थाओं द्वारा उन्हें सम्मानित किया जा चुका है। इस अवसर पर डॉ मनोज तिवारी ने कहा कि हम सभी का समाज के प्रति उत्तरदायित्व है कि सामाजिक उत्थान में हम अपना योगदान दें तभी समाज एवं राष्ट्र विकसित हो सकेगा। इस अवसर पर डॉ. सौरभ सिंह, डॉ.प्रियंका वर्मा, डॉ.पूजा शुक्ला, डॉ.रत्नाकर शुक्ला, डॉ. मनोरमा सिंह, डॉ. देवीना वाचस्पति, डॉ. अश्वनी राय, डॉ. उपकार किशोर अग्रहरी, डॉ. हरिशरण, डॉ अमरेंद्र मोहन मिश्रा व बडी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहें। इस अवसर पर डॉ.तिवारी को राजीव पांडेय, डॉ.मुकेश श्रीवास्तव, मनीष कुमार सिंह, राजेश उपाध्याय, पवन कुशवाहा, संजय भगत, आशुतोष सिंह, प्रिंस कुमार मिश्रा, गौरव पांडेय, शिवम उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में लोगों ने बधाइयां दी।

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने दी श्रद्धान्जलि

मुंबई । मुंबई (पश्चिम) में माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज कराई। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने यहां डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धान्जलि दी और उपस्थित कार्यकर्ताओं और नागरिकों को संबोधित किया। इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ बोरीवली विधान सभा के विधायक संजय उपाध्याय, उत्तर मुंबई भाजपा के जिलाध्यक्ष दीपक उर्फ बाला तावडे , पूर्व जिलाध्यक्ष गणेश खणकर व पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव सहित कई अन्य पूर्व नगरसेवक, जिला, मंडल तथा वार्ड के पदाधिकारी, कार्यकर्ता भारी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

सम्मान देकर साथियों का बढ़ाया मान

चिराना(उत्तरशक्ति)। नीमकाथाना ब्लॉक के तीन चिकित्सा अधिकारी अपने निजी कार्य संपादित कर जब सीकर से वापस अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे तो बीच राह में स्थित चिराना गांव पहुंचने पर यहां के डॉ राजेंद्र कुमावत ने अपने सीनियर साथियों का सम्मान अपने चिकित्सा परामर्श केंद्र पर किया।क्लीनिक पर पहुंचने पर पहले उनकी आव भगत की और फिर गेस्ट ऑफ होनर का मोमेंटो प्रदान कर इस मिलन को यादगार बनाया।यह सम्मान पहली बार उनके यहां पधारने पर अतिथि स्वरूप दिया गया है। नीमकाथाना ब्लॉक के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रदीप कुमार शर्मा,घनश्याम शर्मा मावंडा खुर्द,डॉ विनोद कुमार यादव तीनों आयुर्वेद में माने हुए चिकित्सक है तथा इनकी कार्यशैली विभाग के प्रति उत्तरदायी रही है।चिराना के डॉक्टर कुमावत ने इनका सम्मान कर एक बार फिर अपनी यादें ताजा करली और इस मुलाकात से सभी हर्षित हुए। इस दौरान डॉ.लोकेश सैनी,चेतन कुमावत,नेमीचंद,विकास आदि उपस्थित रहे।

दहेज हत्या के अभियोग में वांछित 02 आरोपी गिरफ्तार

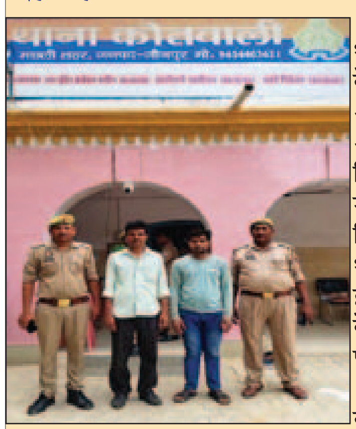

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मछलीशहर पुलिस टीम के द्वारा दहेज हत्या के अभियोग में वांछित 02 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार प्रभारी निरीक्षक मछलीशहर के नेतृत्व में आज दिनांक 23.06.2025 को थाना मछलीशहर पुलिस टीम द्वारा मुखबीर खास की सूचना के आधार पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-187/25 धारा 85/80(2) बी0एन0एस0 व 3/4 डी0पी0 एक्ट से संबंधित वांछित आरोपीगण 1.अनुराग गौतम पुत्र राजेश गौतम 2.राजेश कुमार पुत्र बब्बईराम निवासीगण सादीगंज थाना मछलीशहर जौनपुर को उसके घर से समय करीब 06.15 बजे सुबह गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही करते हुए चालान न्यायालय किया गया।

जिलाधिकारी ने बन रहे निर्माणाधीन जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा 179.79 करोड रुपए की लागत से बन रहे निमार्णाधीन जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति, श्रमिकों की संख्या आदि की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि निर्माण कार्य के दौरान प्रयुक्त होने वाली सामग्री उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिए तथा कार्य की गुणवत्ता मानक के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कार्यदाई संस्था के प्रतिनिधि को शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कार्य की प्रगति पर संतोष जताया। जिलाधिकारी ने श्रमिकों से संवाद भी किया और कहां कि सभी श्रमिकों का ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अवश्य होना चाहिए। इस अवसर पर कार्यदाई संस्था के प्रतिनिधि, श्रमिक सहित अन्य उपस्थित रहे।

जौनपुर डी एम की अध्यक्षता में कर करेत्तर की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कर करेत्तर की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान व्यापार कर, विद्युत कर, वन विभाग, वाणिज्य कर सहित अन्य विभाग जिसमें लक्ष्य के सापेक्ष कम वसूली पाई गई, उनसे राजस्व वसूली तथा प्रवर्तन की कार्यवाही बढ़ाने के निर्देश दिए गए। आगामी त्योहारों के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा अधिकारी को भी प्रवर्तन की कार्यवाही बढ़ाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने राजस्व की समीक्षा करते हुए धारा 80 के तहत लंबित मामलों, धारा 116, धारा 66, धारा 24 के मामले, अंश निर्धारण, पट्टा, पत्थरगड्डी, सिहद्दे वरासत, आदि मामलों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि लंबित मुकदमों के निस्तारण में तेजी लाई जाए, कृषक दुर्घटना बीमा योजना के जितने भी लंबित मामले है उनका निस्तारण कराया जाए,इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 राम अक्षयबर चौहान, समस्त उप जिलाधिकारीगण, समस्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

राम मंदिर का पुनर्निर्माण और धरोहरों का सम्मान भी डॉ. मुखर्जी के विचारों की जीत है: श्रीकृष्ण बिहारी राय

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर सीहीपुर स्थित भाजपा कार्यालय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने की और मुख्य अतिथि मे रूप मे श्रीकृष्ण बिहारी राय उपस्थित रहे। सर्वप्रथम पार्टी के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण किया तथा श्रद्धासुमन अर्पित कर व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों, जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए उनके बलिदान और भाजपा की वैचारिक नींव को मजबूत करने में उनके योगदान को याद किया।

मुख्य अतिथि कृष्ण बिहारी राय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने उस समय की कांग्रेस सरकार और तत्कालीन नेतृत्व विशेषकर जवाहरलाल नेहरू के कई नीतियों से असहमति जताई थी। फिर भी, गांधी जी के आह्वान पर उन्होंने स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में हिस्सा लिया जिसमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे महानुभाव भी शामिल थे लेकिन समय के साथ नेहरू जी ने उन्हें और डॉ. बी.आर. अंबेडकर जैसे नेताओं को उचित भूमिका नहीं दी, जिसके कारण वे सरकार से बाहर हो गए। उन्होंने हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि यह भारत की सैन्य शक्ति का प्रतीक है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इच्छाशक्ति ने संभव बनाया। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद और उग्रवाद को लगभग समाप्त कर दिया गया है। राम मंदिर का पुनर्निर्माण और धरोहरों का सम्मान भी डॉ. मुखर्जी के विचारों की जीत है। मोदी सरकार ने धारा 370 को हटाकर उनके बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि दी। उनके नारे एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे। एम एल सी बृजेश सिंह प्रिंसू ने कहा कि 1950 के दशक में जब कांग्रेस का आजादी की लड़ाई में एकछत्र प्रभुत्व था, तब डॉ. मुखर्जी ने वैकल्पिक राजनीतिक विचारधारा प्रस्तुत की भारतीय जनसंघ केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक विचार था। जिसका प्रभाव आज सात दशकों बाद भी देश और राज्यों में देखा जा सकता है। जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने डॉ. मुखर्जी के अखंड भारत के सपने और राष्ट्रवादी विचारधारा को याद किया और अपने संबोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय विचारधारा के ध्वजवाहक थे आज कश्मीर प्रगति के पथ पर अग्रसर है यह डॉ. मुखर्जी के बलिदान का परिणाम है उनकी पुण्यतिथि पर मैं उनके चरणों में कोटि-कोटि वंदन करती हूं। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुशील मिश्र ने किया। उक्त अवसर समस्त जिला पदाधिकारी एव समस्त मंडल अध्यक्ष समेत भाजपा के कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

बिजली गिरने से 3 की मौत

गोरखपुर। खेतो में काम कर रहे क्षेत्र के तीन गांवों में आकाशीय बिजली ने कहर बन कर गिरी। जिसके प्रभाव से दो की घटना स्थल पर मौत हो गई। जिन्हें पीएम हेतु भेज दिया गया है। चार लोगों को अचेतावस्था में सीएचसी पिपराइच भर्ती कराया गया है। जिनकी हालत में सुधार हो रहा है। जानकारी अनुसार पहली घटना सुबह करीब आठ बजे अगया छोटा टोला के सिवान में हुई । दो बच्चों के पिता नौंमी नाथ शर्मा 45 अपने खेत में काम कर रहे थे। बारिश के साथ ही आकाशीय बिजली गिरी। जिससे उनकी मौत हो गई। दूसरी घटना क्षेत्र के ग्राम बेला में करीब 9 बजे की है । अमर नाथ पासवान का 35 वर्षीय बेटा तथा तीन बच्चों के पिता राकेश पासवान के साथ घटी । बेटी अनन्या 10 के साथ खेत जा रहे थे । गांव के बाहर स्थित पुल के पास बिजली गिरी मौत हो गई। बेटी तेज आवाज से बेहोश हो गई।

प्रधानाचार्य इसरावती देवी की शैक्षणिक योग्यता पर उठे सवाल, महानिदेशक स्कूल शिक्षा व राज्य परियोजना निदेशक को भेजा गया शिकायती पत्र

अम्बेडकरनगर (उत्तरशक्ति)। जनपद अम्बेडकरनगर के विकासखंड जहांगीरगंज क्षेत्र उच्च प्राथमिक विद्यालय नरियांव में तैनात प्रधानाचार्य इसरावती देवी की शैक्षणिक योग्यता व कार्यशैली को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं।इस संबंध में ग्राम पंचायत तिलक टांडा निवासी नीलम पत्नी राजेश ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, महानिदेशक स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा अभियान लखनऊ उत्तर प्रदेश को एक विस्तृत शिकायत पत्र प्रेषित किया है, जिसमें विद्यालय की प्रधानाचार्या के खिलाफ शैक्षणिक एवं वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।शिकायतकर्ता के अनुसार, प्रधानाचार्य इसरावती देवी द्वारा नियुक्ति के समय प्रस्तुत किए गए शैक्षणिक प्रमाणपत्र संदेहास्पद हैं। आरोप है कि उनके स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा परीक्षा दिलवाकर अंकपत्र प्राप्त किया गया, जिससे उनकी शैक्षणिक योग्यता की वैधता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा होता है।शिकायती पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि:प्रधानाचार्य का शैक्षणिक स्तर अत्यंत कमजोर है और वह कक्षा में बच्चों को विषयवस्तु स्पष्ट रूप से पढ़ाने में असक्षम हैं।विद्यालय में प्रतिदिन उनके शिक्षण कार्य की वीडियो रिकॉर्डिंग व जियो टैग फोटोग्राफी कराई जाए, जिससे उनकी कक्षा गतिविधियों का प्रमाण उपलब्ध हो सके। शिक्षा विभाग से इतर किसी स्वतंत्र जांच समिति के माध्यम से उनके शैक्षिक स्तर की निष्पक्ष जांच कराई जाए।वह अक्सर विद्यालय में कुर्सी पर बैठकर समय व्यतीत करती हैं या विद्यालय से अनुपस्थित रहती हैं, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई पर नकारात्मक

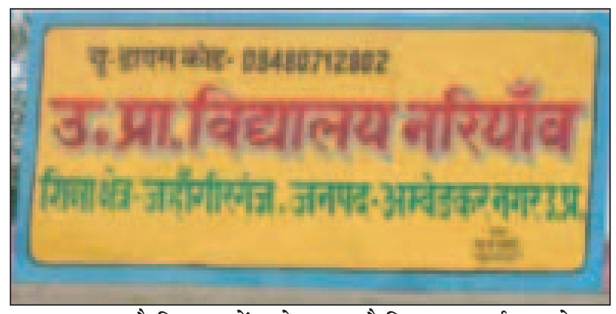

प्रभाव पड़ रहा है।शिकायत में आगे कहा गया है कि इसरावती देवी की उम्र 50 वर्ष से अधिक हो चुकी है, अतः यदि वे शैक्षणिक रूप से अक्षम पाई जाती हैं, तो उन्हें अनिवार्य सेवा निवृत्ति प्रदान की जाए, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग रोका जा सके।इसके अतिरिक्त, मिड-डे मील योजना में अनियमितता व कॉम्पोजिट ग्रांट के ?50,000 के मानकविहीन व्यय का भी आरोप लगाया गया है। बताया गया है कि प्रधानाचार्य द्वारा योजना से संबंधित चेक अपने नाम पर काटकर गबन किया गया है। प्रार्थिनी की मांग शिकायती पत्र में महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक लखनऊ से यह मांग की गई है कि प्रकरण की उच्चस्तरीय व निष्पक्ष जांच कराई जाए, जिससे विद्यालय में व्याप्त अनियमितताओं पर रोक लगे और छात्रों के भविष्य के साथ हो रहा शैक्षणिक खिलवाड़ तुरंत रोका जा सके।

सभी बैंक सीडी राशियों बढ़ाने की दिशा में करे कार्य: जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला समन्वय समिति (डीसीसी) डीएलआरसी की बैठक संपन्न हुई।बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा सीएम युवा उद्यमी विकास योजना की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में जितने भी लंबित आवेदन है उन्हें आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए स्वीकृत करते हुए शत-प्रतिशत ऋण वितरण कराना सुनिश्चित करें।सीएम युवा उद्यमी विकास योजना की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि अधिक से अधिक युवाओं को ऋण वितरित किया जाए। उन्होंने ऐसे बैंकों जिनके द्वारा सबसे अधिक ऋण अस्वीकृति किए है, उसका डाटा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन बैंक में 20 प्रतिशत से कम सीडी रेशियों है, उनके खिलाफ कार्यवाही हेतु उच्चअधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में लक्ष्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी बैंक जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना में जनजागरूकता उत्पन्न करने हेतु बैंकों में बैनर आदि लगाए जाए।जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि मुद्रा ऋण योजना में और अधिक ऋण वितरित किया जाए। जीवन ज्योति योजना में अधिक से अधिक लोगों को आच्छादित किया जाए। पीएम विश्वकर्मा योजना में ट्रेनिंग देकर लोगों को रोजगार से जोड़ा जाए।बैठक में एसबीआई, यूबीआई, केनरा बैंक सहित ऐसे बैंक जिनमें सीडी रेशियों में घटा है प्रगति नहीं हुई है उनके विरुद्ध कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि सीडी रेशियो बढ़ाने में अपेक्षित सुधार करें। जिलाधिकारी द्वारा सहायक प्रबंधक उद्योग जयप्रकाश को पीएम उद्यमी विकास योजना अंतर्गत अधिक से अधिक आवेदन अग्रसारित करने की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रशंसा भी की।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयबर चौहान, एलडीएम, प्रबंधक गौरव कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

भारतीय सदविचार मंच द्वारा नि :शुल्क नोटबुक वितरण

मुंबई। सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्था भारतीय सदविचार मंच द्वारा दत्तक ली गयी बस्ती जिवदानी नगर, काजूपाड़ा (घोड़बंदर रोड, ठाणे)के छात्रों (पहली कक्षा से बारहवीं कक्षा) को निशुल्क नोटबुक वितरित की गई। दहिसर(पूर्व), मुंबई-68 में स्थित भारतीय सदविचार मंच सभागार में संस्था संस्थापक, मुख्य मार्गदर्शक डॉ.राधेश्याम तिवारी की अध्यक्षता, मुख्य अतिथि प्रसिद्ध आरटीआई कार्यकर्ता, वरिष्ठ पत्रकार अनिल गलगली के मुख्य आतिथ्य और संस्था अध्यक्ष डॉ. शिवश्याम तिवारी के मुख्य संयोजन में संपन्न इस कार्यक्रम में शिक्षाविद् डॉ. हृदयनारायण मिश्रा, समाजसेवी श्रीकांत पाण्डेय, वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ.आर.के.चौबे, वरिष्ठ पत्रकार द्वय विनोद यादव, शिवपूजन

पाण्डेय, समाजसेवी हरिशंकर तिवारी, संस्था के शिक्षक प्रकोष्ठ के संयोजक हरिप्रसाद पाण्डेय ,पूर्व महामंत्री बी.पी. मिश्रा, युवा समाजसेवी ललित शुक्ला, ययीन पाठक, संस्था शुभेच्छु दीपक खेर, गुरुदेव मिश्रा और विनोद (पप्पू) तिवारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था महामंत्री नागेन्द्र मिश्रा और उपाध्यक्ष पं.कमलाशंकर मिश्रा ने आभार व्यक्त किया। संस्था कार्यकारिणी के पदाधिकारी महेंद्रकुमार मिश्रा,मनोज चतुर्वेदी, हेमन्त पाण्डेय, गणेशप्रसाद पाण्डेय, बी.एम.गुप्ता, शाखा प्रभारी रत्नेश दुबे, रामप्रकाश तिवारी,उमेश सिंह,डॉ.मनोज मिश्रा,अजय तिवारी, सूर्यप्रकाश(संतोष) मिश्रा और संस्था की शाखा काजूपाड़ा के संयोजक प्रमोद तिवारी और सचिन मोरे ने कार्यक्रम को सफल सफल बनाने में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में आयोजित स्नेह भोज में काजूपाड़ा से

बाइक दुकान में आग लगने से लाखों की संपति स्वाहा

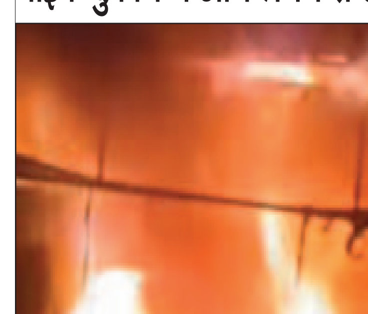

सिवान (उत्तरशक्ति)। महाराजगंजशहर के मोहन बाजार में आजाद मोटरसाइकिल दुकान में रविवार की रात्रि 11 बजे आग लग जाने से दुकान का लाखों रुपए का सामान जल कर खाक हो गया। आग लगने की सूचना पड़ोस के लोगों ने अग्निशमन विभाग को जानकारी दी। तभी दमकल विभाग ने तुरंत संज्ञान मे लेते हुए आग पर काबू पाया गया। अग्निशमन दमकल अगर समय पर नहीं आया होता तो महाराजगंज पूरा शहर आज आग के चपेट में आजाता। आग लगने का कारण समाचार प्रेषित करने तक नहीं लग पाया था।

हर-हर महादेव के जयघोष और पुष्पवर्षा से काशी में गृहमंत्री अमित शाह का भव्य स्वागत

सुरेश गांधी

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी महानगर वाराणसी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार शाम करीब 6 बजे काशी पहुंचने पर गृह मंत्री अमित शाह का जोरदार स्वागत किया। सांय 4 बजे से ही स्वागत स्थलों पर कार्यकर्ता ढोल-नगाड़े, शंख और भगवा ध्वजों के साथ सजीव हो गए। जैसे-जैसे गृह मंत्री का काफिला बढ़ता गया, जनसैलाब हर स्वागत स्थल पर पुष्पवर्षा करता रहा। कालभैरव मंदिर पहुंचने पर मंदिर परिसर और आसपास की गलियों में भी जनसैलाब उमड़ा। लोगों ने छतों से गुलाब की पंखुड़ियां बरसाकर गृह मंत्री का अभिनंदन किया। काशीवासियों ने अपने अनूठे स्वागत से यह साबित कर दिया कि काशी न केवल भारत की सांस्कृतिक राजधानी है, बल्कि राजनीतिक-सामाजिक सौहार्द की भी मिसाल है।

बाबतपुर एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय, सांसद अमरपाल मोर्या, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, अनिल राजभर, जेपीएस राठौर, राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल, डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', महापौर अशोक तिवारी, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, धर्मेंद्र राय, विधायकगण व अन्य जनप्रतिनिधियों ने गृह मंत्री का भव्य स्वागत किया। पार्टी के महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल के नेतृत्व में पूरे शहर में अलग-अलग स्वागत बिंदु (प्वाइंट) बनाए गए थे, जहां कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ 'हर हर महादेव' और 'अमित शाह जिंदाबाद' के नारों से माहौल गूंजा दिया। पूरे स्वागत कार्यक्रम में कार्यकताओं में भारी उत्साह और जोश देखने को मिला। शहर भर में पार्टी के झंडे, बैनर और गाजे-बाजे के साथ काफिले का भव्य स्वागत किया गया। जगह-जगह कार्यकताओं ने गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कर गृह मंत्री का अभिनंदन किया। शिवपुर बाईपास चौराहा पर मण्डल अध्यक्ष विवेक पांडेय, अतुल सिंह, शिव शंकर यादव, कुसुम सिंह पटेल, जेपी सिंह, रंजय सिंह, अंजलि अग्रवाल, संजू सरोज, राजेंद्र यादव, सिद्धनाथ शर्मा, हीरा यादव, अरुण सिंह, अरविंद सिंह, प्रह्लाद शर्मा, सोनू राजभर, अश्वनी पांडेय, सुष्मिता सेट, संजय श्रीवास्तव, शशांक अग्रवाल, संदीप श्रीवास्तव, अवधेश राय, संजय कुमार, प्रमोद यादव, मुन्ना कुलदीप, महेंद्र सिंह गौतम, अतुलेश उपाध्याय, नवीन कपूर, मनोज सोनकर, दिनेश यादव, प्रवीण श्रीवास्तव, बृजेश श्रीवास्तव, विजय जायसवाल, सोमनाथ मौर्य, सूर्य प्रकाश, चंद्रशेखर उपाध्याय, सिद्धार्थ सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। काशी ने एक बार फिर अपनी सांस्कृतिक गरिमा और अतिथि सत्कार की मिसाल पेश की। सोमवार शाम जब केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह वाराणसी पहुंचे तो पूरा शहर 'हर-हर महादेव' के उद्घोष, शंखध्वनि और पुष्पवर्षा से गूंज उठा। एयरपोर्ट से लेकर कालभैरव मंदिर और ताज होटल तक 11 स्वागत प्वाइंट पर भाजपा कार्यकताओं, व्यापारियों, बुद्धिजीवियों और आमजन का जनसैलाब उमड़ पड़ा।

बाहर से दरवाजे की कुंडी बंदकर तीन घरों में चोरी

कप्तानगंज। कंधरापुर थाना क्षेत्र के जमुआ हरिराम गांव, तहबरपुर रोड स्थित मंदुरी तिराहे के पास शनिवार की रात चोरों ने सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए एक ही रात में तीन घरों में चोरी की। चोरों ने पुलिस सहायता केंद्र से महज 200 मीटर की दूरी पर यह वारदात की। चोरों ने चोरी करने से घर के कमरों में सो रहे लोगों के दरवाजे की कुंडी पहले बंद की इसके बाद चोरी की घटना को अंजाम दिया।

पहली वारदात हरिप्रसाद के घर में हुई, जहां चोर आलमारी व चार बक्सों के ताले तोड़कर करीब दो लाख नकद, पेंशन की रकम, शिक्षक पत्नी सरिता देवी के 10 लाख रुपये नकद के साथ 15 लाख रुपये मूल्य के आभूषण चुरा ले गए। वहीं, दूसरी चोरी बगल के मकान में हुई, जो पूर्व प्रधान भिखू राम का है। परिवार के लोग ऊपरी मंजिल पर सो रहे थे, नीचे से कुंडी बंद कर चोरों ने चार आलमारी के ताले तोड़कर 35 हजार रुपये नकद और करीब 10 लाख रुपये के आभूषण चोरी कर लिए।